Encoded by Bhagwan Singh
bhagwangkp @ yahoo.co.in

भ्वादिगण १-१०१०
अदादिगण १०११-११०६
दिवादिगण ११०७-१२४६
स्वादिगण १२४७-१२८०
तुदादिगण १२८१-१४३७
रुधादिगण १४३८-१४६२
तनादिगण १४६३-१४७२
क्र्यादिगण १४७३-१५३३
चुरादिगण १५३४-१९४३

Dhatupath

१. अंस समाघाते (१९१८)
२. अक कुटिलायां गतौ (७९२)०अ
3- अकि लक्षणे (८७)
4- अक्षू व्याप्तौ (६५४)
५. अग कुटिलायां गतौ (७९२)
६. अगि गत्यर्थे (१४६)
७. अंक पदे लक्षणे (१९२७)
८. अजि आप्यायने (१७८५)
६. अट्ट अनादरे (१५६१)
१०. अघि गत्याक्षेपे, (१०६) गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे
११. अचि गतौ याचने च इत्यपरे (८६२)
१२. अचु गतौ याचने च इत्येके (८६२)
१३. अज गतिक्षेपणयोः (२३०)
१४. अंचु गतिपूजनयोः (१८८)
१५. अंचु गतौ याचने च (८६२)
१६. अंचु विशेषणे (१७३८)
१७. अंजू व्यक्तिमर्षणकान्तिगतिषु (१४५८)
१८. अटि गतौ (२६१)
१६. अट्ट अतिक्रमहिंसयोः (२५४)
२०. अड उद्यमे (३५८)
२१. अड्ड अभियोगे (३४८)
२२. अण शब्दे (४४४)
२३. अण प्राणने (११७५)
२४. अत गतौ (२६५)
२५. अति बन्धने (६१)
२६. अद भक्षणे (१०११)
२७. अदि बन्धने (६२)
२८. अथ सातत्यगमनो (३८)
२६. अथ दौर्बल्ये (१८७०)
३०. अन प्राणने (१०७०) (११७५)
३१. अनोरुध कामे (११७४)
३२. अन्ध दृष्ट्यपघाते, उपसंहार इत्यन्ये (१९२०)
३३. अभ्र गत्यर्था (५५६)
३४. अम गत्यादिषु (४६५)
३५. अम रोगे (१७२०)
३६. अय गतौ (४७४)
३७. अर्क स्तवने, तपन इत्येके (१६४३)
३८. अर्च पूजायाम् (२०४)
३६. अर्च पूजायाम् (१८०८)
४०. अर्ज अर्जने (२२४)
४१. अर्ज प्रतियत्ने (१७२५)
४२. अर्थ उपयांचायाम् (१९०५)
४३. अर्द गतौ याचने च (५५)
४४. अर्द हिंसायाम् (१८२८)
४५. अर्घ मूल्ये (१६१)
४६. अर्व गतौ (४१५)
४७. अर्व हिंसायाम् (५८४)
४८. अर्ह पूजायाम् (७४०)
४६. अर्ह पूजायाम् (१७३१)
५०. अर्ह पूजायाम् (१८३०)
५१. अल भूषणपर्याप्तिवारणेषु (५१५)
५२. अव रक्षणगतिकान्तिप्रीतितृप्त्यवगम-
प्रवेशश्रदणस्वाम्यर्थयाचनक्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्यालिंगनिहिंसादानभागवृद्धिषु (६००)
५३. अवि शब्दे (३७८)
५४. अश भोजने (१५२३)
५५. अशू व्याप्तौ संघाते च (१२६४)
५६. अष गतिदीप्त्यादानेषु इत्येके (८८६)
५७. अस गतिदीप्त्यादानेषु (८८६)
५८. अस भुवि (१०६५)
५६. असु क्षेपणे (१२०६)
६०. अह व्याप्तौ (१२७२)
६१. अहि गतौ (६३५)
६२. अहि आप्यायने (१७६७)०आ
६३. आछि आयामे आयामः दैर्घ्यम् (२०६)
६४. आङः शसि इच्छायाम् (६२६)
६५. आङः शासु इच्छायाम् (१०२१)
६६. आङः क्रन्द सातत्ये (१७२७)
६७. आङः षद पद्यर्थे (१८३१)
६८. आप्लृ व्याप्तौ (१२६०)

६६.आप्लृ लम्भने (१८३६)
७०.आविजी भयचलनयो (१२८६)
७१. आविजी भयचलनयो (१४६०)
७२.आस उपवेशने
७३.इक स्मरणे (१०४७)
७४.इख गत्यर्थे (१४०) ०इ
७५.इखि गत्यर्थे (१४१)
७६.इगि गत्यर्थे (१५३)
७७.इंग अध्ययने नित्यमधिपूर्वः (१०४६)
७८.इण गतौ (१०४५)
७६.इदि परमैश्वर्ये (६३)
८०.इन हिंसागत्योः (१०१२)
८१. इल स्वप्नक्षेपणयोः (१३५७)
८२.इल प्रेरणे (१६६०)
८३.इवि व्याप्तौ (५८७)
८४.इष उंछे कणशः आदाने कणिशाद्यर्जनं शिलम् (६८०)
८५.इष गतौ (११२७)
८६.इष इच्छायाम् (१३५१)
८७.इष आभीक्ष्ण्ये (१५२५)
८८.ईङ् गतौ (११४३) ०ई
८६.ईक्ष दर्शने (६१०)
६०.ईक्ष्य ईर्ष्यार्थाः (५१०)
६१. ईखि गत्यर्थे (१४२)
६२.ईज गतिकुत्सनयोः (१८२)
६३.ईट गतौ (३१८)
६४.ईड स्तुतौ (१०१६)
६५.ईड स्तुतौ (१६६७)
६६.ईर गतौ (१०१८)
६७.ईर क्षेपे (१८१०)
६८.ईश ऐश्वर्ये (१०२०)
६६.ईष गतिहिंसादर्शनेषु (६११)
१००. ईर्ष्य ईर्ष्यार्थाः (५११)
१०१. ईह चेष्टायाम् (६३२)०उ
१०२. उक्ष सेचने (६५७)
१०३. उख गत्यर्थे (१२८)
१०४. उखि गत्यर्थे (१२६)
१०५. उङ् शब्दे (६५१)
१०६. उच समवाये (१२२०)
१०७. उच्छदिर दीप्तिदेवनयोः (१४४५)
१०८. उच्छि विवासे (१२६५)
१०६. उच्छी विवासे (२१६)
११०. उछि उंछे (२१५)
१११. उछि उंछे (१२६३)
११२. उज्झ उत्सर्गे (१३०४)
११३. उठ उपघाते (३३८)
११४. उतृदिर हिंसाऽनादरयोः (१४४६)
११५. उध्रस उच्छे (१५२४)
११६. उध्रस उंछे (१७४२)
११७. उन्दी क्लेदने (१४५७)
११८. उबुन्दिर निशामने (८७६)
११६. उब्ज आर्जवे (१३०३)
१२०. उभ पूरणे (१३१६)
१२१. उंभ पूरणे (१३२०)
१२२. उर्द माने मानं परिणामं क्रीडायां च (२०)
१२३. उर्वी हिंसार्था (५६६)
१२४. उलडि उत्क्षेपणे इत्यन्ये (१५४२)
१२५. उष दाहे (६६६)
१२६. उहिर अर्दने अर्दनम् पीडनम् (७३६)
१२७. ऊठ उपघाते इत्येके (३३८)
१२८. ऊन परिहाणे (१८८१)
१२६. ऊयी तंतुसंताने (४८३)
१३०. ऊर्ज बलप्राणनयोः (१५४६)
१३१. ऊर्णुञ् आच्छादने (१०३६)
१३२. ऊष रुजायाम् (६८३)
१३३. ऊह वितर्के (६४८)०ऋ
१३४. ऋ गतिप्रापणयोः (६३६)
१३५. ऋ गतौ (१०६८)
१३६. ॠ गतौ (१४६७)
१३७. ऋच स्तुतौ (१३०२)
१३८. ऋच्छ गतीन्द्रियप्रलयमूर्तिभावेषु (१२६६)
१३६. ऋज गतिस्थानार्जनोपार्जनेषु (१७६)
१४०. ऋजि भर्जने (१७७)
१४१. ऋणु गतौ (१४६७)
१४२. ऋधु वृद्धौ (१२४५)
१४३. ऋधु वृद्धौ (१२७१)
१४४. ऋफ हिंसायाम् (१३१५)
१४५. ऋंफ हिंसायाम् (१३१६)
१४६. ऋषी गतौ (१२८७) ०ए
१४७. एजृ दीप्तौ (१७६)
१४८. एजृ कम्पने (२३४)
१४६. एठ विवाधायाम् (२६७)
१५०. एत्रि संकोचे (१५३६)
१५१. एध वृद्धौ वृद्धि वर्धनं उपचयः (२)
१५२. एषृ प्रयत्नेन इत्येके (६१५)
१५३. एषृ गतौ (६१८)
१५४. ओखृ शोषणालमर्थयोः (१२१)

१५५. ओणृ अपनयने (४५४)
१५६. ओप्यायी वृद्धौ (४८८)
१५७. ओलजी व्रीडायाम् (१२६०)
१५८. ओलस्जी व्रीडायाम् (१२६१)
१५९. ओलडि उत्क्षेपणे (१५४२)
१६०. ओवै शोषणे (९२१)
१६१. ओव्रश्चू छेदने (१२९१)
१६२. ओहाक् त्यागे (१०९०)
१६३. ओहाङ् गतौ (१०८९) ०क
१६४. कक लौल्ये (९०) (१२३७)
१६५. ककि गत्यर्थे (९४)
१६६. कख हसने (१२०)
१६७. कख हसने (७८४)
१६८. कगे नोच्यते (७९१)
१६९. कच बन्धने (१६८)
१७०. कचि दीप्तिबन्धनयोः (१६६)
१७१. कज मद इत्येके (२३२)
१७२. कटी गतौ (३२०)
१७३. कटे वर्षावरणयोः (२९४)
१७४. कठ कृच्छ्रजीवने (३३३)
१७५. कड मदे (३६०)
१७६. कड मदे (१३८०)
१७७. कडि मदे इत्येके (३६०)
१७८. कड्ड कार्कश्ये (३४६)
१७९. कठि शोके (२६४)
१८०. कठि शोके (१८४६)
१८१. कडि मदे (२८२)
१८२. कण शब्दे (४४६)
१८३. कण गतौ (७९४)
१८४. कण निमीलने (१७१५)
१८५. कत्र शैथिल्ये (१६१५)
१८६. कथ वाक्यप्रबन्धे (१८५१)
१८७. कदि आह्वाने रोदने च (७०)
१८८. कदि वैकल्य इत्येके (७७२)
१८९. क्नसु हरणदीप्त्योः (१११३)
१९०. कनी दीप्तिकान्तिगतिषु (४६०)
१९१. कपि चलने (३७५)
१९२. कबृ वर्णे (३८०)
१९३. कमु कान्तौ (४४३)
१९४. कर्ज व्यथने (२२८)
१९५. कर्द कुत्सिते शब्दे (५९)
१९६. कर्ब गतौ (४२०)
१९७. कर्व दर्पे (५८१)
१९८. कल शब्दसंख्यानयोः (४६७)
१९९. कल क्षेपे (१६०४)
२००. कल गतौ संख्याने च (१८६५)
२०१. कष हिंसार्थे (६८५)
२०२. कस गतौ (८६०)
२०३. कस गतिशासनयोः इत्येके (१०२४)
२०४. कसि गतिशासनयोः (१०२४)
२०५. काक्षि कांक्षायाम् (६६७)
२०६. काचि दीप्तिबन्धनयोः (१७०)
२०७. काशृ दीप्तौ (११६२)
२०८. कासृ शब्दकुत्सायाम् (६२३)
२०९. काशृ दीप्तौ (६४७)
२१०. कि ज्ञाने (११०१)
२११. किट त्रासे (३०१)
२१२. किट गतौ (३१६)
२१३. कित निवासे रोगापनयने च(९९३)
२१४. किलश्वैत्यक्रीडनयोः (१३५३)
२१५. कीट वर्णे (१६४०)
२१६. कील बन्धने (५२४)
२१७. कुंश संश्लेषणे (१२१८)०कु
२१८. कु शब्दे (१०४२)
२१९. कुक आदाने (९१)
२२०. कुङ् शब्दे (९५१)
२२१. कुङ् शब्दे (१४०१)
२२२. कुच शब्दे तारे (१८४)
२२३. कुच संकोचने (१३६८)
२२४. कुच संपर्चनकौटिल्यप्रतिष्टंभ- विलेखनेषु (८५७)
२२५. कुंच कौटिल्यल्पीभावे (१८५)
२२६. कुजु स्तेयकरणे (१९६)
२२७. कुट कौटिल्ये (१३६६)
२२८. कुटी वैकल्ये इत्येके (३२२)
२२९. कुट्ट अनृतभाषणे इत्येके (१५३६)
२३०. कुट्ट छेदनभर्त्सनयोः (१५५८)
२३१. कुट्ट प्रतापने (१७०२)
२३२. कुठि गतिप्रतिघाते ? (३४२)
२३३. कुड बाल्ये (१३८३)
२३४. कुडि वैकल्ये (३२२)
२३५. कुडि अनृतभाषणे इत्यपरे (१५३६)
२३६. कुडि भेदने (१५८३)
२३७. कुण शब्दापकरणयोः (१३३५)
२३८. कुण आमन्त्रणे (१८९३)
२३९. कुत्स अवक्षेपणे (१६९७)

२४०. कुथ पूतीभावे (१११८)
२४१. कुद्रि अनृतभाषणे (१५३६)
२४२. कुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४३)
२४३. कुन्थ संश्लेषणे (१५१४)
२४४. कुबि आच्छादने (४२६)
२४५. कुबि आच्छादने (१६५५)
२४६. कुभि आच्छादने इत्येके (१६५५)
२४७. कुमार क्रीडायाम् (१८७७)
२४८. कुर्द क्रीडायां(२१)
२४९. कुप क्रोधे (१२३३)
२५०. कुप भाषार्थे (१७७६)
२५१. कुर शब्दे (१३४१)
२५२. कुल संस्त्याने संघाते बन्धुषु बन्धुतानुकूल व्यापारेषु च (८४२)
२५३. कुशि भाषार्थे (१७६५)
२५४. कुष निष्कर्षे (१५१८)
२५५. कुसि भाषार्थे (१७६३)
२५६. कुस्म नाम्नो वा कुत्सितस्मयने। इत्याकुस्मीयाः (१७११)
२५७. कुह विस्मापने (१६०१)
२५८. कूज अव्यक्ते शब्दे (२२३)
२५९. कूट आप्रदाने, अवसादन इत्येके (१७०१)
२६०. कूट परितापे, परिदाह इत्यन्ये(१८६०)
२६१. कूट संकोचने (१८६६)
२६२. कूण संकोचे (१६८८)
२६३. कूल आवरणे (५२५)
२६४. कृञ् हिंसायाम् (१२५३)
२६५. कृञ् हिंसायाम् (१४८५)
२६६. कृड घनत्वे (१३८२)
२६७. कृ विक्षेपे (१४०६)
२६८. कृती छेदने (१४३५)
२६९. कृती वेष्टने (१४४७)
२७०. कृप दौर्बल्ये (१८६८)
२७१. कृपू सामर्थ्ये (७६२)
२७२. कृश तनूकरणे (१२२७)
२७३. कृष विलेखने (६६०)
२७४. कृष विलेखने (१२८६)
२७५. कृवि हिंसाकरणयोश्च (५६८)
२७६. कॄ हिंसायाम् (१४६६)
२७७. कृत संशब्दने (१६५३)
२७८. केत श्रावणे निमन्त्रणे (१८६५)
२७९. केपृ कंपने (३६८)
२८०. केलृ चलने (५३७)
२८१. कै शब्दे (६१६) ०कै
२८२. क्नथ हिंसार्थे (८००)
२८३. क्नुञ् शब्दे (१४८०)
२८४. क्नूयी शब्दे उन्दे च (४८५)
२८५. क्मर हुर्च्छने हूर्च्छनं कौटिल्यं (५५५)
२८६. क्रथ हिंसार्थे (८०१)
२८७. क्रदि आह्वाने रोदने च (७१)
२८८. क्रदि वैकल्य इत्येके (७७३)
२८९. क्रप कृपायां गतौ च (७७१)
२९०. क्रमु पादविक्षेपे (४७३)
२९१. क्रीड् विहारे (३५०)
२९२. क्रुंच कौटिल्यल्पीभावे (१८६)
२९३. क्रुड निमज्जन इत्येके (१३६४)
२९४. क्रुध क्रोधे (११८६)
२९५. क्रुश आह्वाने रोदने च (८५६)
२९६. क्लथ हिंसार्थे (८०२)
२९७. क्लदि आह्वाने रोदने च (७२)
२९८. क्लदि वैकल्य इत्येके (७७४)
२९९. क्लिदि परिदेवने(१५)
३००. क्लदि परिदेवन(७३)
३०१. क्लप व्यक्तायां वाचि इत्येके(१६५०)
३०२. क्लमु ग्लानौ (१२०७)
३०३. क्लिदू आर्द्रीभावे (१२४२)
३०४. क्लिश उपतापे (११६१)
३०५. क्लिशू विवाधने (१५२२)
३०६. क्लिष आलिंगने
३०७. क्लीवृ अधार्ष्टये (३८१)
३०८. क्लुङ् गतौ इत्येके (६५६)
३०९. क्लेवृ सेवने (५०६)
३१०. क्लेश अव्यक्तायां वाचि बाधन इति दुर्गः (६०७)
३११. क्वथे निष्पाके (८४६)
३१२. क्वण शब्दे (४५०)०क्ष
३१३. क्षणु हिंसायाम् (१४६५)
३१४. क्षति गतिदानयोः (७६६)
३१५. क्षपयः च शब्दे इति भोजः (८१६)
३१६. क्षपि क्षान्त्याम् (१६२०)
३१७. क्षमु सहने (१२०५)
३१८. क्षमूष् सहने (४४२)
३१९. क्षर संचलने (८५१)
३२०. क्षल शौच कर्मणि (१५६७)
३२१. क्षि क्षये (२३६)

३२२. क्षिणु हिंसायाम् (१४६६)
३२३. क्षि हिंसायाम् (१२७६)
३२४. क्षि निवासगत्योः (१४०७)
३२५. क्षिप प्रेरणे (११२१)
३२६. क्षिप प्रेरणे (१२८४)
३२७. क्षिप प्रेरणे (१६४१)
३२८. क्षीज अव्यक्ते शब्दे (२३७)
३२९. क्षीबृ मदे (३८२)
३३०. क्षीवु निरसने (५६७)
३३१. क्षीष हिंसायाम् (१५०६)
३३२. क्षुदिर सम्पेषणे (१४४३)
३३३. क्षुध बुभुक्षायाम् (११९०)
३३४. क्षुभ संचलने (७५१)
३३५. क्षुभ संचलने (१२३६)
३३६. क्षुभ संचलने (१५१६)
३३७. क्षुर विलेखने (१३४०)
३३८. क्षेवु निरसने (५६८)
३३९. क्षै क्षये (९१३)
३४०. क्षोट क्षेपे (१८७५)
३४१. क्ष्णु तेजने (१०३७)
३४२. क्ष्मायी विधूनने (४८६)
३४३. क्ष्मील निमेषणे (५२०)
३४४. क्ष्वेलृ चलने (५३६)०ख
३४५. खच भूतपादुर्भावे (१५३१)
३४६. खज मन्थे (२३२) व
३४७. खजि गतिवैकल्ये (२३३)
३४८. खट कांक्षायाम् (३०६)
३४९. खट्ट संवरणे (१६३२)
३५०. खड भेदने (१५८०)
३५१. खडि मंथे (२८३)
३५२. खडि भेदने (१५८१)
३५३. खद स्थैर्ये हिंसायां च (५०)
३५४. खनु अवदारणे (८७८)
३५५. खर्ज पूजने (२२६)
३५६. खर्द दन्दशूके दन्तशूककर्तृकक्रिया (६०)
३५७. खर्ब गतौ (४२१)
३५८. खर्व दर्पे (५८२)
३५९. खल संचये (५४५)
३६०. खष हिंसार्थे (६८६)
३६१. खादृ भक्षणे (४९)
३६२. खिट त्रासे (३०२)
३६३. खिद दैन्ये (११७०)
३६४. खिद् परिघाते (१४३६)
३६५. खिद दैन्ये (१४४६)
३६६. खुजु स्तेयकरणे (२००)
३६७. खुड सम्बरणे इत्येके (१३८८)
३६८. खुडि खंडने (१५८५)
३६९. खुर ऐश्वर्यदीप्त्योः (१३४०)
३७०. खुर छेदने (१३४२)
३७१. खेट भक्षणे (१८७४)
३७२. खेवृ सेवने (५०६)
३७३. खुर्द क्रीडायां(२२)
३७४. खेलृ चलने (५३८)
३७५. खै खदने (९१२)
३७६. खोॠ गतिप्रतिघाते (५५२)
३७७. खोलृ गतिप्रतिघाते (५५१)
३७८. ख्या प्रकथने (१०६०) ०ग
३७९. गज शब्दार्थे, मदने च (२४६)
३८०. गज शब्दार्थे, (१६४७)
३८१. गजि शब्दार्थे (२४७)
३८२. गड सेचने (७७७)
३८३. गडि वदनैकदेशे (मुखवयवः, कपोलः गंडस्थलम्)(६५)
३८४. गडि वदनैकदेश (३६०)
३८५. गण संख्याने (१८५३)
३८६. गद व्यक्तायां वाचि (५२)
३८७. गदी देवशब्दे (१८६०)
३८८. गन्ध अर्दने (१६८४)
३८९. गम्लृ गतौ (९८२)
३९०. गर्ज अव्यक्ते शब्दे (२२६)
३९१. गर्द शब्दे (५७)
३९२. गर्ब गतौ (४२२)
३९३. गर्व दर्पे (५८३)
३९४. गर्व माने (१६०७)
३९५. गर्ह कुत्सायाम् (६३६)
३९६. गर्ह विनिन्दने (१८४५)
३९७. गल अदने (५४६)
३९८. गल स्रवणे (१६६६)
३९९. गल्भ धाष्ट्र्ये (३९२)
४००. गल्ह कुत्सायाम् (६३७)
४०१. गवेष मार्गणे (१८८३)
४०२. गा स्तुतौ (११०६)
४०३. गाङ् गतौ (९५०)
४०४. गाधृ प्रतिष्ठालिप्सयोर्ग्रन्थे च ।(४)
४०५. गाहू विलोडने (६४६)०गु
४०६. गु पुरीषोत्सर्गे (१३९६)

४०७. गुज शब्दे (१३६६)
४०८. गुजि अव्यक्ते शब्दे (२०३)
४०९. गुठि वेष्टने इत्येके (१५८४)
४१०. गुङ् अव्यक्ते शब्दे (९४६)
४११. गुड रक्षायाम् (१३७०)
४१२. गुडि वेष्टने (१५८४)
४१३. गुण आमन्त्रणे (१८६४)
४१४. गुद क्रीडायां(२४)
४१५. गुध परिवेष्टने (११२०)
४१६. गुध रोषे (१५१७)
४१७. गुप व्याकुलत्वे (१२३४)
४१८. गुप भाषार्थे (१७७१)
४१९. गुप गोपने (९७०)
४२०. गुपू रक्षणे (३९५)
४२१. गुफ ग्रन्थे (१३१७)
४२२. गुंफ ग्रन्थे (१३१७)
४२३. गुहू संवरणे (८९६)
४२४. गुरी उद्यमने (१३६६)
४२५. गुर्द क्रीडायां(२३)
४२६. गुर्द पूर्वनिकेतने (१६६५)
४२७. गुर्वी उद्यमने (५७४)
४२८. गूर उद्यमने (१६६४)
४२९. गूरी हिंसागत्योः (११५२)
४३०. गृ सेचने (९३७)
४३१. गृ शब्दे (१४९८)
४३२. गृ विज्ञाने (१७०७)
४३३. गृ निगरणे (१४१०)
४३४. गृज शब्दार्थे (२४८)
४३५. गृजि शब्दार्थे (२४६)
४३६. गृधु अभिकांक्षायाम् (१२४६)
४३७. गृहू ग्रहणे (६५०)
४३८. गृह ग्रहणे (१८६६)
४३९. गेपृ कंपने (३६६)
४४०. गेवृ सेवने (५०२)
४४१. गेषृ अन्विक्षायाम् (६१४)
४४२. गै शब्दे (९१८)
४४३. गोम उपलेपने (१८७६)
४४४. गोष्ट संघाते (२५७)
४४५. ग्रन्थ सन्दर्भ (१५१३)
४४६. ग्रन्थ सन्दर्भ (१८३८)
४४७. ग्रन्थ बन्धने (१८२५)
४४८. ग्रथि कौटिल्ये (३६)
४४९. ग्रस ग्रहणे (१७४६)
४५०. ग्रसु अदने (६३०)
४५१. ग्रह उपादाने (१५३३)
४५२. ग्रह ग्रहणे (१७४६)
४५३. ग्राम आमन्त्रणे (१८६२)
४५४. ग्रुचु स्तेयकरणे (१९७)
४५५. ग्लसु अदने (६३१)
४५६. ग्लह च ग्रहणे (६५१)
४५७. ग्लेपृ कंपने (३७०)
४५८. ग्लेषृ अन्विक्षायाम् इत्येके (६१४)
४५९. ग्लेवृ सेवने (५०३)
४६०. ग्लुचु स्तेयकरणे (१९८)
४६१. ग्लुंचु गतौ (२०१)
४६२. ग्लेपृ दैन्ये (३६६)
४६३. ग्लै हर्षक्षये (९०३)
४६४. घघ हसने (१५६) ०६
४६५. घट चेष्टायाम् (७६३)
४६६. घट भाषार्थे (१७६६)
४६७. घट संघाते, हन्त्यर्थाश्च (१७२३)
४६८. घटि भाषार्थे (१७६७)
४६९. घट्ट चलने (२५६)
४७०. घट्ट चलने (१६३०)
४७१. घष कांतिकरणे केचित् (६५२)
४७२. घस्लृ अदने (७१५)
४७३. धिणि ग्रहणे (४३४)
४७४. घुङ् शब्दे (९५१)
४७५. घुट परिवर्तने (७४६)
४७६. घुट प्रतिघाते (१३८५)
४७७. घुण भ्रमणे (४३७)
४७८. घुण भ्रमणे (१३३८)
४७९. घुणि ग्रहणे (४३५)
४८०. घुषि कांतिकरणे (६५२)
४८१. घुर भीमार्थशब्दयोः (१३४५)
४८२. घुषिर् अविशब्दने अविशब्दनं अप्रतिज्ञानम् शब्द इति अन्ये (६५३)
४८३. घुषिर् विशब्दने (१७२६)
४८४. घूरी हिंसावयोहान्योः (११५५)
४८५. घूर्ण भ्रमणे (४३८)
४८६. घूर्ण भ्रमणे (१३३६)
४८७. घृ सेचने (९३८)
४८८. घृ क्षरणदीप्त्योः (१०९६)
४८९. घृ प्रस्रवणे (१६५०)
४९०. घृणु दीप्तौ (१४६६)
४९१. घृणि ग्रहणे (४३६)

४६२. घृषु संघर्षे (७०८)
४६३. घॄ वयोहानौ इत्यन्ये (१४६४)
४६४. घो असने (१७३०)
४६५. घ्रा गन्धोपादाने (६२६)
४६६. ङुङ् शब्दे उङ्, कुङ्, खुङ्, गुङ्, घुङ्, ङुङ् इत्यन्ये ।(६५१)
४६७. ङीङ् विहायसा गतौ (११३५) ०च
४६८. चक तृप्तौ प्रतिघाते च (६३)
४६९. चक तृप्तौ (७८३)
५००. चकाशृ दीप्तौ (१०७४)
५०१. चक्क व्यथने (१५६५)
५०२. चक्षिङ् व्यक्तायां वाचि (१०१७)
५०३. चंचु गत्यर्थाः (१६०)
५०४. चटे वर्षावरणयो इत्येक (२६४)
५०५. चट भेदने (१७२१)
५०६. चण दाने (७६६)
५०७. चडि कोपे (२७८)
५०८. चते याचने (८६५)
५०९. चदि आह्लादे दीप्तौ च (६८)
५१०. चदे याचने (८६५)
५११. चप सान्त्वने (३६६)
५१२. चपि गत्याम् (१६१६)
५१३. चमु अदने (४६६)
५१४. चमु भक्षणे (१२७४)
५१५. चय गतौ (४७८)
५१६. चर गत्यर्था, भक्षणेऽपि (५५६)
५१७. चर संशये (१७४५)
५१८. चर्करीतं कान्तौ (१०८१)
५१९. चर्च परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१७)
५२०. चर्च परिभाषणभर्त्सनयोः (१२६६)
५२१. चर्च अध्ययने (१७१२)
५२२. चर्ब गतौ (४२५)
५२३. चर्व अदने (५७६)
५२४. चल कंपने (८३२)
५२५. चल विलसने (१३५६)
५२६. चल भृतौ (१६०८)
५२७. चलिः कंपने (८१२)
५२८. चष भक्षणे(८८६)
५२९. चह परिकल्कने (७२६)
५३०. चह परिकल्कने (१६२६)
५३१. चह परिकल्कने (१८६६)
५३२. चायृ पूजानिशामनयोः (८८०)
५३३. चि आप्यायने (१७६४)
५३४. चिञ् चयने (१२५१)
५३५. चिञ् चयने (१६२६)
५३६. चिट परप्रेष्ये (३१५)
५३७. चित संचेतने (१६७३)
५३८. चिति स्मृत्याम् (१५३५)
५३९. चिती संज्ञाने (३६)
५४०. चित्र चित्रीकरणे, कदाचिद्दर्शने (१६१७)
५४१. चिरि हिंसायाम् (१२७७)
५४२. चिल सम्बरणे (१३५५)
५४३. चिल्ल शैथिल्ये भावकरणे (५३३)
५४४. चीक आमर्षणे (१८२७)
५४५. चीभृ कत्थने (३८४)
५४६. चीव भाषार्थे (१७७४)
५४७. चीवृ आदानसंवरणयोः (८७६)०चु
५४८. चुक्क व्यथने (१५६६)
५४९. चुच्य अभिषवे इत्येके (५१३)
५५०. चुट छेदने (१३७७)
५५१. चुट छेदने (१६१३)
५५२. चुटि छेदने (१६५६)
५५३. चुट्ट अल्पीभावे (१५६०)
५५४. चुड सम्बरणे (१३६२)
५५५. चुडि अल्पीभावे (३२५)
५५६. चुड्ड भावकरणे (३४७)
५५७. चुद संचोदने (१५६२)
५५८. चुप मन्दायां गतौ
५५९. चुबि वक्त्रसंयोगे (४२६)
५६०. चुबि हिंसायाम् (१६३५)
५६१. चुर स्तेये (१५३४)
५६२. चूरी दाहे (११५८)
५६३. चूर्ण प्रेषणे(१५५०)
५६४. चूर्ण प्रेरणे (१५५२)
५६५. चूर्ण संकोचने (१६४१)
५६६. चुल समुच्छाये (१६०२)
५६७. चुल्ल भावकरणे (५३१)
५६८. चूष पाने (६७३)
५६९. चृती हिंसाश्रन्थनयोः (१३२४)
५७०. चेलृ चलने (५३६)
५७१. चेष्ट चेष्टायाम् (२५६)
५७२. च्छेद द्वैधीकरणे (१६३४)
५७३. च्यु सहने, हसने चेत्येके (१७४६)
५७४. च्युङ् गतौ (६५५)
५७५. छजि कृच्छ्रजीवने (१६२१)

५७६. छद वमने (१५८६)
५७७. छद अपवारणे (१८३३)
५७८. छद अपवारणे (१६३५)
५७६. छदि संवरणे (१५७७)
५८०. छदिर ऊर्जने (८१३)
५८१. छमु अदने (४७०)
५८२. छष हिंसायाम् (८६०)
५८३. छिदिर द्वैधीकरणे (१४४०)
५८४. छिद्र कर्णभेदने, करणभेदने इत्येके (१६२४)
५८५. छुट छेदने (१३७८)
५८६. छुड सम्बरणे इत्येके (१३८८)
५८७. छुप स्पर्शे (१४१८)
५८८. छुर छेदने (१३७२)
५८६. छृदी संदीपने (१८२०)
५६०. छो छेदने (११४७)
५६१. जक्ष भक्षहनयोः (१०७१)
५६२. जज युद्धे (२४२) ०ज
५६३. जजि युद्धे (२४३)
५६४. जट संघाते (३०५)
५६५. जप व्यक्तायां वाचि, मानसे च (३६७)
५६६. जन जनने (११०५)
५६७. जनी प्रादुर्भावे (११४६)
५६८. जभि नाशने (१७१६)
५६६. जभी गात्रविनामे (३८८)
६००. जमु अदने (४७१)
६०१. जर्ज परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१८)
६०२. जर्ज परिभाषणभर्त्सनयोः (१२६८)
६०३. जल घातने (८३३)
६०४. जल अपवारणे (१५४३)
६०५. जल्प व्यक्तायां वाचि (३६८)
६०६. जष हिंसार्थे (६८८)
६०७. जसि रक्षणे, मोक्षण इति केचित् (१६६६)
६०८. जसु मोक्षणे (१२११)
६०६. जसु हिंसायाम् (१६६८)
६१०. जसु ताडने (१७१८)
६११. जहृ प्रयत्ने (६४४)
६१२. जागृ निद्राक्षये (१०७२)
६१३. जि अभिभवे (६४६)
६१४. जि जये (५६१)
६१५. जि आप्यायने (१७६३)
६१६. जिमु अदने (४७२)
६१७. जिरि हिंसायाम् (१२७८)
६१८. जिवि प्रीणनार्थे (५६४)
६१६. जिषु सेचने (६६७)
६२०. जीव प्राणधारणे (५६२)
६२१. जुगि वर्जने (१५७)
६२२. जुट बन्धने (१३७६)
६२३. जुड गतौ (१३२६)
६२४. जुड प्रेरणे (१६४६)
६२५. जुन गतौ (१३२६)
६२६. जुतृ भासने (३२)
६२७. जुष परितर्कणे, परितर्पण इत्यन्ये (१८३४)
६२८. जुषी प्रीतिसेवनयोः (१२८८)
६२६. जूरी हिंसावयोहान्योः (११५६)
६३०. जूष हिंसायाम् (६८१)
६३१. जृभि गात्रविनामे (३८६)
६३२. जृ वयोहानौ (१४६४)
६३३. जृ वयोहानौ (१८१३)
६३४. जेषृ गतौ (६१६)
६३५. जेहृ प्रयत्ने गतावपि (६४५)
६३६. जै क्षये (६१४)
६३७. ज्या वयोहानौ (१४६६)
६३८. ज्युङ् गतौ (६५६)
६३६. ज्रि अभिभवे (६४७)
६४०. ज्रि वयोहानौ (१८१४)
६४१. ज्वर रोगे (७७६)
६४२. ज्वल दीप्तौ (८०४)
६४३. ज्वल दीप्तौ (८३१)
६४४. ०झ
६४५. झट संघाते (३०६)
६४६. झमु अदने (४७२)
६४७. झर्झ परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१८)
६४८. झर्झ परिभाषणभर्त्सनयोः (१३००)
६४६. झष हिंसार्थे (६८६)
६५०. झष आदान संवरणयोः (८६१)
६५१. झृष् वयोहानौ (११३०)
६५२. झृ वयोहानौ इत्येके (१४६४)
६५३. (१४६०) ञिइन्धी दीप्तौ (१४४८)
६५४. ञितृषा पिपासायाम् (१२२८)
६५५. ञित्वरा संभ्रमे (७७५)
६५६. ञिफला विशरणे (५१६)
६५७. ञिभी भये (१०८४)
६५८. ञिमिदा स्नेहने (७४३)

६५९. ञिमिदा स्नेहने (१२४३)
६६०. ञिक्ष्विदा स्नेहमोचनयोः (१२४४)
६६१. ञिश्विदा इत्येके स्नेहमोचनयोः। मोहनयोरित्येके। (७४४)
६६२. ञिष्विदा स्नेहमोचनयोः। मोहनयोरित्येके। (७४४)
६६३. ञिष्विदा अव्यक्ते शब्दे (९७८)
६६४. ञिष्विदा गात्रप्रक्षरणे इत्येके(११८८)
६६५. ञिधृषा प्रागल्भ्ये (१२६९)
६६६. ञिस्वप् शये (१०६८)
६६७. झप ज्ञानज्ञापनमारणतोषणनिशान निशामनेषु (१६२४)
६६८. ज्ञा निशानेष्विति पाठांतरम् (८११)
६६९. ज्ञा अवबोधने (१५०७)
६७०. ज्ञा नियोगे (१७३२) ०ट
६७१. टकि बन्धने (१६३८)
६७२. टल वैक्लव्ये भयजनितोद्वेगे (८३४)
६७३. टिकृ गत्यर्थे (१०३)
६७४. टीकृ गत्यर्थे (१०४)
६७५. टुओश्वि गतिवृद्ध्योः (१०१०)
६७६. टुओस्फूर्जा वज्रनिर्घोषे (२३५)
६७७. टुक्षु शब्दे (१०३६)
६७८. टुदु उपतापे (१२५६)
६७९. टुनदि समृद्धौ (६७)
६८०. टुभ्राजृ दीप्तौ (८२३)
६८१. टुभ्राशृ दीप्तौ (८२४)
६८२. टुभ्लाशृ दीप्तौ (८२५)
६८३. टुमस्जो शुद्धौ (१४१७)
६८४. टुयाचृ यांचायाम् (८६३)
६८५. टुवम् उद्गिरणे (८४९)
६८६. टुवेपृ कंपने (३६७)
६८७. ट्वल वैक्लव्ये (८३५)
६८८. डप संघाते (१६७६)
६८९. डिप संघाते (१६७७)
६९०. डिप क्षेपे (१२३२)
६९१. डिप क्षेपे (१३७१)
६९२. डिप क्षेपे (१६७०)
६९३. डीङ् विहायसा गतौ (९६८)
६९४. डुकृञ् करणे (१४७२)
६९५. डुक्रीञ् द्रव्यविनिमये (१४७३)
६९६. डुदाञ् दाने (१०९१)
६९७. डुधाञ् धारणपोषणयोः दान इत्यप्येके (१०९१)
६९८. डुपचष पाके (९९६)
६९९. डुभृञ् धारणपोषणयोः (१०८७)
७००. डुमिञ् प्रक्षेपणे (१२५०)
७०१. डुवप् बीजसन्ताने छेदनेऽपि (१००३)
७०२. डुलभष् प्राप्तौ (९७५)
७०३. डौकृ गत्यर्थे (९८) ०ण
७०४. णक्ष गतौ (६६२)
७०५. णख गत्यर्थे (१३४)
७०६. णखि गत्यर्थे (१३५)
७०७. णट नृत्यौ, गतावित्यन्ये (७१)
७०८. णद अव्यक्ते शब्दे (५४)
७०९. णद भाषार्थे (१७७८)
७१०. णभ हिंसायाम् (७५२)
७११. णभ हिंसायाम् (१२४०)
७१२. णभ हिंसायाम् (१५२०)
७१३. णम प्रह्वत्वे प्रणमने शब्दे च (९८१)
७१४. णय गतौ (४८०)
७१५. णल गन्धे (८३८) बन्धन इत्येके
७१६. णश अदर्शने (११९४)
७१७. णस कौटिल्ये (६२७)
७१८. णह बन्धने (११६६)
७१९. णासृ शब्दे (६२५)
७२०. णिक्ष चुंबने (६५९)
७२१. णिजि शुद्धौ (१०२६)
७२२. णिजिर शौचपोषणयोः (१०९३)
७२३. णिट्ट कुत्सासन्निकर्षयोः (८७१)
७२४. णिदि कुत्सायाम् (६६)
७२५. णिल गहने (१३६०)
७२६. णिवि सेचने (५९०)
७२७. णिश समाधौ (७२२)
७२८. णिसि चुम्बने (१०२५)
७२९. णीञ् प्रापणे (९०१)
७३०. णीव स्थौल्ये (५६६)
७३१. णु स्तुतौ (१०३५)
७३२. णुद प्रेरणे (१२८२)
७३३. णुद प्रेरण (१४२६)
७३४. णू स्तवने (१३९७)
७३५. णेट्ट कुत्सासन्निकर्षयोः (८७२)
७३६. णेषृ गतौ (६१७)०त
७३७. तक हसने (११७)
७३८. तक गतौ (१२६०)
७३९. तकि कृच्छ्रजीवने (११८)
७४०. तक्ष त्वचने (६६५)

७४१. तक्षू तनूकरणे (६५५०)
७४२. तगि गत्यर्थे (१४६)०त
७४३. तंचु गत्यर्थाः (१६१)
७४४. तंचु संकोचने (१४५६)
७४५. तज तर्जने (१६८१)
७४६. तट उच्छ्राये (३०८)
७४७. तड आघाते (१५७६)
७४८. तड आप्यायने (१८०१)
७४९. तडि ताडने (२८०)
७५०. तत्रि कुटुम्बधारणे (१६७८)
७५१. तनु विस्तारे (१४६३)
७५२. तनु श्रद्धोपकरणयोः (१८४०)
७५३. तप संतापे (६८५)
७५४. तप दाहे (१८१७)
७५५. तप (पत) ऐश्वर्ये वा (११५६)
७५६. तमु कांक्षायाम् (१२०२)
७५७. तय गतौ (४७६)
७५८. तर्क भाषार्थे (१७८०)
७५९. तर्ज भर्त्सने (२२७)
७६०. तर्द हिंसायाम् (५८)
७६१. तल प्रतिष्ठायाम् (१५६८)
७६२. तसि अलंकरणे (१७२६)
७६३. तसु उपक्षये (१२१२)
७६४. तायृ सन्तानपालनयो (४८६)
७६५. तिक गतौ (१२६६)
७६६. तिकृ गत्यर्थे (१०५)
७६७. तिज निशाने तीक्ष्णीकरणे (६७१)
७६८. तिज निशातने (१६५२)
७६९. तिपृ क्षरणार्थे (३६२)
७७०. तिम आर्द्रीभावे (११२३)
७७१. तिल गतौ (५३४)
७७२. तिल स्नेहने (१३५४)
७७३. तिल स्नेहने (१६०७)
७७४. तिल्ल गतौ इत्येके (५३४)
७७५. तीकृ गत्यर्थे (१०६)
७७६. तीर कर्मसमाप्तौ (१६१२)
७७७. तीव स्थौल्ये (५६५)
७७८. तुज हिंसायाम् (२४४)०तु
७७९. तुजि पालने (२४५)
७८०. तुजि हिंसाबलादाननिकेतषु(१५६६)
७८१. तुजि भाषार्थे (१७५५)
७८२. तुट कलहकर्मणि (१३७०६)
७८३. तुड तोड़ने (१३८६)
७८४. तुडि तोडने (२७६)
७८५. तुडृ तोडने (३५१)
७८६. तुण कौटिल्ये (१३३२)
७८७. तुण हिंसागतिकौटिल्येषु (१३३७)
७८८. तुत्थ आवरणे (१६४३)
७८९. तुद व्यथने (१२८१)
७९०. तुप हिंसार्थे (४०४)
७९१. तुप हिंसायाम् (१३०६)
७९२. तुंप हिंसार्थे (४०५)
७९३. तुंप हिंसायाम् (१३१०)
७९४. तुफ हिंसार्थे (४०८)
७९५. तुफ हिंसायाम् (१३११)
७९६. तुंफ हिंसायाम् (१३१२)
७९७. तुंफ हिंसार्थे (४०६)
७९८. तुबि अर्दने (४२८)
७९९. तुबि अर्दने, अदर्शने (१६५७)
८००. तुभ हिंसायाम् (७५३)
८०१. तुभ हिंसायाम् (१२४१)
८०२. तुभ हिंसायाम् (१५२१)
८०३. तुर त्वरणे (११०२)
८०४. तुल उन्माने (१५६६)
८०५. तुर्वी हिंसार्था (५७०)
८०६. तुष प्रीतौ (११८४)
८०७. तुस शब्दे (७१०)
८०८. तुहिर अर्दने (७३७)
८०९. तूडृ तोडने इत्येके (३५१)
८१०. तूण पूरणे (१६८६)
८११. तूरी गदित्वरणहिंसनयोः (११५१)
८१२. तूल निष्कर्षे (५२७)
८१३. तूष तुष्टौ (६७४)
८१४. तृक्ष गतौ (६६१)
८१५. तॄ प्लवनतरणयोः (६६६)
८१६. तृणु अदने (१४६८)
८१७. तृप प्रीडने (११६५)
८१८. तृप तृप्तौ (१३०७)
८१९. तृप तृप्तौ, संदीपन इत्येके(१८१६)
८२०. तृंप तृप्तौ (१३०८)
८२१. तृफ तृप्तौ (१३०८)
८२२. तृंफ तृप्तौ (१३०८)
८२३. तृह हिंसायाम् (१४५५)
८२४. तृहु हिंसार्थे (१३४८)
८२५. तृन्हू हिंसार्थे (१३५०)
८२६. तेज पालने (२३१)

८२७. तेपृ क्षरणार्थे, कंपने च (३६३)
८२८. तेवृ देवने देवनं दुखम् (४९९)
८२९. त्यज हानौ (९८६)
८३०. त्रकि गत्यर्थे (९७)
८३१. त्रक्ष गतौ (६६०)
८३२. त्रख गत्यर्थे केचित् (१५५)
८३३. त्रदि चेष्टायाम् (६६)
८३४. त्रपूष् लज्जायाम् (३७४)
८३५. त्रस धारणे (१७४१)
८३६. त्रसि भाषार्थे (१७६१)
८३७. त्रसी उद्वेगे (१११७)
८३८. त्रिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)
८३९. त्रुट छेदने (१३७५)
८४०. त्रुट छेदने (१६९८)
८४१. त्रुप हिंसार्थे (४०६)
८४२. त्रुंप हिंसार्थे (४०७)
८४३. त्रुफ हिंसार्थे (४१०)
८४४. त्रुंफ हिंसार्थे (४११)
८४५. त्रेङ् पालने (९६५)
८४६. त्रौकृ गत्यर्थे (९६)
८४७. त्वक्षू तनूकरणे (६५६)
८४८. त्वगि गत्यर्थे (१५०) कंपने च (१५५)
८४९. त्वच संन्ववरणे (१३०१)
८५०. त्वंचु गत्यर्थाः (१९२)
८५१. त्विष दीप्तौ (१००१)
८५२. त्सर छद्मगतौ (५५४)
८५३. थुड सम्बरणे (१३८७)
८५४. थुर्वी हिंसार्था (५७१) ०द
८५५. दंश दशने दंष्ट्राव्यापारे (९८९)
८५६. दक्ष वृद्धौ शीघ्रार्थे (६०८)
८५७. दक्ष गतिहिंसनयोः (७७०)
८५८. दंड दंडनिपातने (१९२६)
८५९. दघ घातने पालने च (१२७३)
८६०. दघि पालने (१५६)
८६१. दद दाने (१७)
८६२. दध धारणे(८)
८६३. दंभु दंभने (१२७०)
८६४. दमु उपशमे(१२०३)
८६५. दय दानगतिरक्षणहिंसादानेषु (४८१)
८६६. दरिद्रा दुर्गतौ (१०७३)
८६७. दल विशरणे (५४८)
८६८. दल विदारणे (१७५१)
८६९. दलि च शब्दे इति भोजः (८१६)
८७०. दशि दंशने (१६७४)
८७१. दशि भाषार्थे (१७६४)
८७२. दस दर्शनदंशनयो इत्येके (१६७५)
८७३. दसि दर्शनदंशनयो (१६७५)
८७४. दसि आप्यायने (१७८४)
८७५. दसु उपक्षये (१२१३)
८७६. दह भस्मीकरणे (९९१)
८७७. दाण् दाने (९३०)
८७८. दान खंडने (९९४)
८७९. दाप् लवने लवनं छेदनं (१०५९)
८८०. दाश दाने (८८२)
८८१. दाशृ दाने (८९४)
८८२. दाशृ हिंसायाम् (१२७६)
८८३. दिवि प्रीणनार्थे (५९२)
८८४. दिवु क्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युति-मोददस्वप्नकान्तिगतिषु (११०७)
८८५. दिवु परिकूजने (१७००)
८८६. दिवु मर्दने (१७२४)
८८७. दिश अतिसर्जने (१२८३)
८८८. दिह उपचये (१०१५)
८८९. दीक्ष मौंडयेज्येपनयननियमव्रतादेशेषु (६०६)
८९०. दीधीङ् दीप्तिदेवनयोः देवनं दुखं (१०७६)
८९१. दीङ् क्षये (११३४)
८९२. दीपी दीप्तौ (११५०)
८९३. दु गतौ (९४४)
८९४. दुःख तत्क्रियायाम् (१९३०)
८९५. दुर्वी हिंसार्था (५७२)
८९६. दुल उत्क्षेपे (१६००)
८९७. दुष वैकृत्ये (११८५)
८९८. दुह प्रपूरणे (१०१४)
८९९. दुहिर अर्दने (७३८)
९००. दृ हिंसायाम् (१२८०)
९०१. दृ भये (८०८)
९०२. दृङ् आदरे (१४११)
९०३. दृप हर्षमोहनयोः (११९६)
९०४. दृप उत्क्लेशे (१३१३)
९०५. दृंफ उत्क्लेशे (१३१४)
९०६. दृभ सन्दर्भे (१८२२)
९०७. दृभी ग्रन्थे (१३२३)
९०८. दृभी ग्रन्थे (१८२१)
९०९. दृशिर् प्रेक्षणे (९८८)
९१०. दृह वृद्धौ (७३३)

६११. दृहि वृद्धौ (७३३)
६१२. दॄ विदारणे (१४६३)
६१३. देङ् रक्षणे (९६२)
६१४. दैप् शोधने (९२४)
६१५. दो अवखंडने (११४८)
६१६. द्यु अभिगमने (१०४०)
६१७. द्रम गतौ (४६६)
६१८. द्रा कुत्सायां गतौ (१०५४)
६१९. द्रु गतौ (९४५)
६२०. द्युत दीप्तौ (७४१)
६२१. द्रूञ हिंसायाम् (१४८१)
६२२. द्यै न्यक्करणे तिरस्कारे (९०५)
६२३. द्राक्षि घोरवासिते घोरवासितम् घोरशब्दः (६७०)
६२४. द्राखृ शोषणालमर्थयोः (१२४)
६२५. द्राघृ सामर्थ्ये आयामे च (११४)
६२६. द्राडृ विशरणे (२८७)
६२७. द्राहृ निद्राक्षये, निक्षेपे इत्येके (६४६)
६२८. द्रुह जिघांसायाम् (११९७)
६२९. द्रेकृ शब्दोत्साहयोः (७८)
६३०. देवृ देवने (५००)
६३१. द्रै स्वप्ने (९०६)
६३२. द्विष् अप्रीतौ (१०१३) ०९
६३३. धक्क नाशने (१५९४)
६३४. धण शब्दे इत्येके (४५३)
६३५. धन धान्ये (११०४)
६३६. धवि गत्यर्थे (५९७)
६३७. धाडृ विशरणे (२८८)
६३८. धार्ऋ गतिचातुर्ये (५५३)
६३९. धावु गतिशुद्ध्योः (९०१)
६४०. धि धारणे (१४०६)
६४१. धिक्ष संदीपनक्लेशनजीवनेषु(९०३)
६४२. धिवि प्रीणनार्थे (५९३)
६४३. धिष शब्दे (११०३)
६४४. धीङ् आधारे (११३६)
६४५. धुक्ष संदीपनक्लेशनजीवनेषु (९०२)
६४६. धुञ् कम्पने (१२५५)
६४७. धूञ् कम्पने (१४८७)
६४८. धूञ् कम्पने (१८३५)
६४९. धुर्वी हिंसार्था (५७३)
६५०. धुञ् कम्पने इत्येके (१२५५)
६५१. धू विधूनने (१३९८)
६५२. धूप संतापे (३९६)
६५३. धूप प्रसहने (१८५०)
६५४. धूप भाषार्थे (१७७२)
६५५. धूरी हिंसागत्योः (११५२)
६५६. धृङ् अवध्वंसने (९६०)
६५७. धृङ् अवस्थाने (१४१२)
६५८. धृज गतौ (२१६)
६५९. धृजि गतौ (२२१)
६६०. धृञ् धारणे (९००)
६६१. धृष् कान्तिकरणे (१६३६)
६६२. धेक दर्शन इत्येके (१९१४)
६६३. धेट् पाने (९०१)
६६४. ध्मा शब्दाग्निसंयोगयोः (९२७)
६६५. ध्यै चिन्तायाम् (९०८)
६६६. ध्रज गतौ (२१७)
६६७. ध्रजि गतौ (२१८)
६६८. ध्रन शब्दे (४५६)
६६९. ध्राक्षि घोरवासिते (६७१)
६७०. ध्राखृ शोषणालमर्थयोः (१२५)
६७१. **ध्राघृ** सामर्थ्ये आयामे च केचित्(११४)
६७२. **ध्रिज** गतौ (२१७)
६७३. ध्रु स्थैर्ये (९४३)
६७४. ध्रु गतिस्थैर्ययोः (१४००)
६७५. ध्रुव गतिस्थैर्ययोः इत्येके (१४००)
६७६. ध्रेकृ शब्दोत्साहयोः (७८)
६७७. ध्रै तृप्तौ (९०७)
६७८. ध्वंसु अवस्रंसने, गतौ (७५५)
६७९. ध्वज गतौ (२२१)
६८०. ध्वजि गतौ (२२२)
६८१. ध्वण शब्दे (४५३)
६८२. ध्वन शब्दे (८१६)
६८३. ध्वन शब्दे (८२८)
६८४. ध्वन शब्दे (१८८६)
६८५. ध्वनि च शब्दे इति भोजः (८१६)
६८६. ध्वाक्षि घोरवासिते (६७२)
६८७. ध्वृ हूर्च्छने कौटिल्ये (९३९)०न
६८८. नक्क नाशने (१५९३)
६८९. नट नृतौ (३१०)
६९०. नट अवस्यन्दने (१५४५)
६९१. नट आप्यायने (१७८१)
६९२. नत नृत्यौ इत्येके (७८१)
६९३. नद शब्दे (५६)
६९४. नल आप्यायने (१८०२)
६९५. नाथृ यांचोपतापैश्वर्याशीःषु(६)
६९६. नाधृ यांचोपतापैश्वर्याशीःषु (७)

९९७. निवास आच्छादने (१८८५)
९९८. निष्क परिमाणे (१६८६)
९९९. नील वर्णे (५२२)
१०००. नृती गात्रविक्षेपे (१११६)
१००१. नॄ नये (८०६)
१००२. नॄ नये (१४६५)०प
१००३. पक्ष परिग्रहे (१५५०)
१००४. पच सेचने सेवने च (१६३)
१००५. पचि व्यक्तीकरणे (१७४)
१००६. पचि विस्तारवचने (१६५१)
१००७. पट गतौ (२६६)
१००८. पट भाषार्थे (१७५२)
१००९. पट ग्रन्थे (१८५६)
१०१०. पठ व्यक्तायां वाचि (३३०)
१०११. पडि गतौ (२८१)
१०१२. पडि नाशने (१६१५)
१०१३. पण व्यवहारे स्तुतौ च (४३९)
१०१४. पत गतौ (१८६१)
१०१५. पत्लृ गतौ (८४५)
१०१६. पथि गतौ (१५७५)
१०१७. पथे गतौ (८४७)
१०१८. पद गतौ (११६६)
१०१९. पद गतौ (१८६८)
१०२०. पन व्यवहारे स्तुतौ च (४४०)
१०२१. पप अनुपसर्गात् (गतौ) (१८६२)
१०२२. पय गतौ (४७६)
१०२३. पर्ण हरितभावे (१९३९)
१०२४. पर्द कुत्सिते शब्दे (२६)
१०२५. पर्प गतौ (४१२)
१०२६. पर्ब गतौ (४१६)
१०२७. पर्व पूरणे (५७७)
१०२८. पल गतौ (८३९)
१०२९. पल्यूल लवनपवनयोः (१८८१)
१०३०. पश बन्धने (१७१९)
१०३१. पसि नाशने (१६१६)
१०३२. पा पाने (९२५)
१०३३. पा रक्षणे (१०५६)
१०३४. पार कर्मसमाप्तौ (१९११)
१०३५. पाल रक्षणे (१६०९)
१०३६. पि गतौ (१४०५)
१०३७. पिच्च् क्षरणे (१४३४)
१०३८. पिछ कुट्टने (१५७६)
१०३९. पिजि पर्णे सम्पर्चन इत्येके उभयत्रेत्यन्ये, अव्यक्ते शब्दे इतीतरे (१०२८)
१०४०. पिजि हिंसाबलादाननिकेतषु(१५६७)
१०४१. पिजि भाषार्थे (१७५७)
१०४२. पिट अनादरे (३०४)
१०४३. पिट शब्दसंघातयोः (३११)
१०४४. पिठ हिंसासंक्लेशनयोः (३३६)
१०४५. पिडि संघाते (२७४)
१०४६. पिडि संघाते (१६६६)
१०४७. पिवि सेचने (५८८)
१०४८. पिश अवयवे (१४३७)
१०४९. पिष्लृ संचूर्णने (१४५२)
१०५०. पिस गतौ (१५६८)
१०५१. पिसि भाषार्थे (१७६२)
१०५२. पिसृ गतौ (७१६)
१०५३. पीङ् पाने (११४१)
१०५४. पीड अवगाहने (१५४४)
१०५५. पील प्रतिष्टंभे (५२१)
१०५६. पीव स्थौल्ये (५६३)०पु
१०५७. पुंस अभिवर्धने (१६३७)
१०५८. पुट भाषार्थे (१७५३)
१०५९. पुट संश्लेषणे (१३६७)
१०६०. पुट संसर्गे (१६१३)
१०६१. पुटि आप्यायने (१७६२)
१०६२. पुट्ट अल्पीभावे (१५५६)
१०६३. पुड उत्सर्गे (१३८४)
१०६४. पुडि खंडने इत्येके (३२६)
१०६५. पुण कर्मणि शुभ (१३३३)
१०६६. पुण संघाते इत्यन्ये (१६३६)
१०६७. पुथ हिंसायाम् (१११६)
१०६८. पुथ भाषार्थे (१७७५)
१०६९. पुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४४)
१०७०. पुर अग्रगमने (१३४६)
१०७१. पुल महत्वे (८४१)
१०७२. पुल महत्वे (१६०१)
१०७३. पुष पूष्टौ (७००)
१०७४. पुष पूष्टौ (११८२)
१०७५. पुष पूष्टौ (१५२२)
१०७६. पुष धारणे (१७५०)
१०७७. पुष्प विकसने (११२२)
१०७८. पुस्त आदरानादरयोः (१५९०)
१०७९. पूङ् पवने पवित्रीकरणे (९६६)
१०८०. पूज पूजायाम् (१६४२)

१०८१. पूञ पवनक(१४८२)
१०८२. पूयी विशरणे दुर्गन्धे च (४८४)
१०८३. पूरी आप्यायने (११५१)
१०८४. पूरी आप्यायने (१८०३)
१०८५. पूर्ण संघाते इत्येके (१६३६)
१०८६. पूर्व पूरणे (५७६)
१०८७. पूल संघाते (५२८)
१०८८. पूल संघाते (१६३६)
१०८९. पूष वृद्धौ (६७५)
१०९०. पृ प्रीतौ (१२५८)
१०९१. पॄ पालनपूरणयोः (१०८६)
१०९२. पॄ पालनपूरणयोः (१४८६)
१०९३. पृ व्यायामे (१४०२)
१०९४. पृ पूरणे (१५४६)
१०९५. पृच सयमने (१८०७)
१०९६. पृची सम्पर्चने (१०३०)
१०९७. पृची संपर्के (१४६२)
१०९८. पृजि पर्णे सम्पर्चन इत्येके (१०२८)
१०९९. पृड सुखने (१३२८)
११००. पृण प्रीणने (१३२०)
११०१. पृथ प्रक्षेपे (१५५४)
११०२. पृषु सेचने, हिंसासंक्लेशनयोश्च
(७०५)
११०३. पेवृ सेवने (५०४) ०पे
११०४. पेलृ गतौ (५४१)
११०५. पेषृ प्रयत्नेन (६१५)
११०६. पेसृ गतौ (७२०)
११०७. पै शोषणे (९२०)
११०८. पैणृ गतिप्रेरणश्लेषणेषु (४५८)
११०९. पोथृ पर्याप्तौ (८६७)
१११०. प्रच्छ ज्ञीप्सायाम् (१४१३)
११११. प्रथ प्रख्याने प्रसिद्धौ (७६५)
१११२. प्रथ प्रख्याने प्रसिद्धौ (१५५३)
१११३. प्रस विस्तारे (७६६)
१११४. प्रा पूरणे (१०६१)
१११५. प्रीङ् प्रीतौ (११४४)
१११६. प्रीञ् तर्पणे कान्तौ च (१४७४)
१११७. प्रीञ् तर्पणे (१८३६)
१११८. प्रुङ् गतौ (६५७)
१११९. प्रुड मर्दने (३२४)
११२०. प्रुष स्नेहनसेवनपूरणेषु (१५२७)
११२१. प्रुषु दाहे (७०३)
११२२. प्लिह गतौ (६४२)
११२३. प्ली गतौ (१५०३)
११२४. प्लुङ् गतौ (६५८)
११२५. प्लुष दाहे (१११५)
११२६. प्लुष दाहे (१२१६)
११२७. प्लुष स्नेहनसेवनपूरणेषु (१५२८)
११२८. प्लुषु दाहे (७०४)
११२९. प्सा भक्षणे (१०५५)
११३०. प्रेषृ गतौ (६१६)
११३१. प्रैणृ गतिप्रेरणश्लेषणेषु (४५८)
११३२. फक्क नीचैर्गतौ (११६) ०फ
११३३. फण गतौ (८२१)
११३४. फल निष्पत्तौ (५३०)
११३५. फुल्ल विकसने (५३२)
११३६. फेलृ गतौ (५४२)०ब
११३७. बण शब्दे (४५६) केचित्
११३८. बद स्थैर्ये (५१)
११३९. बध बन्धने (९७३)
११४०. बध संयमने (१५४७)
११४१. बन्ध बन्धने (१५०१)
११४२. बर्ब गतौ (४१८)
११४३. बर्ह प्राधान्ये (६३८)
११४४. बर्ह हिंसायाम् (१६६४)
११४५. बर्ह भाषार्थे (१७६६)
११४६. बल प्राणने धान्यावरो धने च (८४०)
११४७. बल प्राणने (१६२८)
११४८. बल्भ भोजने (३९१)
११४९. बल्ह प्राधान्ये (६३६)
११५०. बल्ह भाषार्थे (१७७०)
११५१. बष्क दर्शने (१६१६)
११५२. बस्त परिमाणे (१६८३)
११५३. बहि वृद्धौ इत्येके (६३४)
११५४. बाडृ आप्लाव्ये (२८६)
११५५. बाधृ लोडने (५)
११५६. बाहृ प्रयत्ने (६४५)
११५७. बिट आक्रोशे (३१७)
११५८. बिल सम्बरणे (१३५८)
११५९. बिस प्रेरणे (१२१७)
११६०. बुगि वर्जने (१५८)
११६१. बिदि अवयवे, भिदि इत्येके (६४)
११६२. बुक्क भरणे (११६)
११६३. बुक्क भाषणे (१७१३)
११६४. बुध अवगमने (८५८)
११६५. बुध अवगमने (११७२)

११६६.	बुधिर बोधने (८७५)
११६७.	बुस उत्सर्गे (१२१६)
११६८.	बृह वृद्धौ (७३५)
११६९.	बृह वृद्धौ, शब्दे च (७३३)
११७०.	बृहि भाषार्थे (१७६८)
११७१.	बृहिर वृद्धौ चेत्येके (७३३)
११७२.	बेहृ प्रयत्ने (६४३)
११७३.	ब्री वरणे (१५०४)
११७४.	ब्रूञ् व्यक्तायां वाचि (१०४४)
११७५.	ब्रूस हिंसायाम् (१६६३)०भ
११७६.	भक्ष अदने इति मैत्रेयः(८६३)
११७७.	भक्ष अदने (१५५७)
११७८.	भज सेवायाम् (६६८)
११७९.	भज विश्राणने (१७३३)
११८०.	भजि भाषार्थे (१७५६)
११८१.	भंजो आमर्दने (१४५३)
११८२.	भट भृतौ (३०६)
११८३.	भट परिभाषणे (७८०)
११८४.	भडि परिभाषणे (२७३)
११८५.	भडि कल्याणे (१५८८)
११८६.	भण शब्दे (४४७)
११८७.	भदि कल्याणे सुखे च (१२)
११८८.	भर्त्स तर्जने (१६८२)
११८९.	भर्व हिंसायाम् (५८०)
११९०.	भल आभंडने (१७००)
११९१.	भल परिभाषहिंसादानेषु (४९५)
११९२.	भल्ल परिभाषहिंसादानेषु (४९५)
११९३.	भष भर्त्सने (६९५)
११९४.	भस भर्सनदीप्त्योः (११००)
११९५.	भसु स्तंभे इति केचित् (१२१४)
११९६.	भा तीप्तौ (१०५१)
११९७.	भाज पृथक्कर्मणि (१८८६)
११९८.	भाम क्रोधे (४४१)
११९९.	भाम क्रोधे (१८७२)
१२००.	भाष व्यक्तायां वाचि (६१२)
१२०१.	भासृ दीप्तौ (६२४)
१२०२.	भिक्ष भिक्षायामलाभे लाभे च (६०६)
१२०३.	भिदिर विदारणे (१४३९)
१२०४.	भुजो कौटिल्ये (१४१७)
१२०५.	भुज पालनाभ्यवहारयोः (१४५४)
१२०६.	भुवो अवकल्पने, चिन्तन इत्येके (१७४७)
१२०७.	भू सत्तायाम् । 'उदात्तः परस्मैभाषः' । (१)
१२०८.	भू प्राप्तावात्मनेपदी (१८४४)
१२०९.	भूष अलंकारे (६८२)
१२१०.	भूष अलंकरणे (१७३०)
१२११.	भृजी भर्जने (१७८)
१२१२.	भृञ् भरणे (८९८)
१२१३.	भृशि आप्यायने (१७८७)
१२१४.	भृशु अधःपतने (१२२४)
१२१५.	भृ भर्त्सने (१४९१)
१२१६.	भेजृ दीप्तौ (१८०)
१२१७.	भेषृ भये गतावित्येके (८८३)
१२१८.	भ्यस भये (६२८)
१२१९.	भ्रक्ष अदने (८९२)
१२२०.	भ्रंसु अवस्रंसने गतौ इत्यपि केचित् तालव्यान्त इत्यन्ये (७५६)
१२२१.	भ्रण शब्दे (४५२)
१२२२.	भ्रमु चलने (८५०)
१२२३.	भ्रमु अनवस्थाने (१२०४)
१२२४.	भ्रंशु अधःपतने (१२२५)
१२२५.	भ्रस्ज पाके (१२८४)
१२२६.	भ्राजृ दीप्तौ (१८१)
१२२७.	भ्री भये (१५०५)
१२२८.	भ्रूण आशाकवशंकयोः (१६९०)
१२२९.	भ्रेषृ गतौ (८८४)
१२३०.	भ्लेषृ गतौ (८८५)
१२३१.	मकि मंडने (८६) ०म
१२३२.	मख गत्यर्थे (१३२)
१२३३.	मखि गत्यर्थे (१३३)
१२३४.	मगि गत्यर्थे (१४८)
१२३५.	मघि गत्याक्षेपे, गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे, मघि कैतवे धौर्त्यम् च (१११) मंडने (१६०)
१२३६.	मचि धारणोच्छ्रायपूजनेषु (१७३)
१२३७.	मठ मदनिवासयोः (३३२)
१२३८.	मठि शोके (२६३)
१२३९.	मठि पालने (२६५)
१२४०.	मडि विभाजने (२७१)
१२४१.	मडि भूषायाम् (३२१)
१२४२.	मडि भूषायाम् हर्षे च (१५८७)
१२४३.	मण शब्दे (४४८)
१२४४.	मत्रि गुप्तपरिभाषणे (१६७९)गुप्तभाषणे
१२४५.	मथे विलोडने (८४८)
१२४६.	मद तृप्तियोगे (१७०५)

१२४७. मदि स्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु (१३)
१२४८. मदी हर्ष ग्लेपनयोः ग्लेपनं दैन्य (८१४)
१२४९. मदी हर्षे (१२०८)
१२५०. मन ज्ञाने (११७६)
१२५१. मनु अवबोधने (१४७१)
१२५२. मन्थ विलोडने (४२)
१२५३. मन्थ विलोडने (१५११)
१२५४. मभ्र गत्यर्था (५५८)
१२५५. मय गतौ (४७७)
१२५६. मर्च शब्दार्थे (१६४६)
१२५७. मर्ब गतौ (४१६)
१२५८. मर्व पूरणे (५७८)
१२५९. मल धारणे (४६३)
१२६०. मल्ल धारणे (४६४)
१२६१. मव बन्धने (५९६)विलोडने
१२६२. मव्य बन्धने (५०८)
१२६३. मष हिंसार्थे (६९२)
१२६४. मश शब्दे रोषकृते च (७२४)
१२६५. मसी परिणामे (१२२१)
१२६६. मस्क गत्यर्थे (१०२)
१२६७. मह पूजायाम् (७३०)
१२६८. मह पूजायाम् (१८६७)
१२६९. महि वृद्धौ (६३४)
१२७०. महि आप्यायने (१७९६)
१२७१. मा माने (१०६२)
१२७२. माक्षि कांक्षायाम् (६६६)
१२७३. माङ् माने शब्दे च (१०८८)
१२७४. माङ् माने (११४२)
१२७५. मान पूजायाम् (९७२)
१२७६. मान पूजायाम् (१८४३)
१२७७. मान (मन) स्तम्भे (१७०६)
१२७८. मार्ग अन्वेषणे (१८४६)
१२७९. मार्ज शब्दार्थे (१६४८)
१२८०. माहृ माने (८९५)
१२८१. मिच्छ उत्क्लेशे (१२९७)
१२८२. मिजि भाषार्थे (१७५६)
१२८३. मिदि स्नेहने (१५४१)
१२८४. मिल संगमे (१४२६)
१२८५. मिवि सेचने (५८६)
१२८६. मिश शब्दे रोषकृते च (७२४)
१२८७. मिश्र सम्पर्के (१९२१)
१२८८. मिष स्पर्धायाम् (१३५०)
१२८९. मिष श्लेषणे (१३६४)
१२९०. मिषु सेचने (६९६)
१२९१. मिह सेचने (९९२)
१२९२. मी गतौ (१८२४)
१२९३. मीङ् हिंसायाम् (११३७)
१२९४. मीञ् बन्धने (१४७६)
१२९५. मीमृ गतौ शब्दे च (४६८)
१२९६. मील निमेषणे (५१७)
१२९७. मीव स्थौल्ये (५६४)०मु
१२९८. मुच प्रमोचने मोदने च (१७४३)
१२९९. मुचि कल्कने, कथन इत्यन्ये(१७२)
१३००. मुच्लृ मोक्षणे (१४३०)
१३०१. मुज शब्दार्थे (२५०)
१३०२. मुजि शब्दार्थे (२५१)
१३०३. मुट आक्षेपमर्दनयोः (१३७४)
१३०४. मुट संचूर्णने (१६१४)
१३०५. मुड मर्दने (३२३)
१३०६. मुडि मार्जने (२७५)
१३०७. मुडि खंडने (३२६)
१३०८. मुण प्रतिज्ञाने (१३३४)
१३०९. मुद हर्षे (१६)
१३१०. मुद संसर्गे (१७४०)
१३११. मुर संवेष्टने (१३४३)
१३१२. मुर्छा मोहसमुच्छ्राययोः
१३१३. मुर्वी बन्धने (५७५)
१३१४. मुष स्तेये (१५३०)
१३१५. मुस खंडने (१२२०)
१३१६. मुस्त संघाते (१६३१)
१३१७. मुह वैचित्ये (११९८)
१३१८. मूङ् बन्धने (९६७)
१३१९. मूत्र प्रस्नवणे (१९०६)
१३२०. मूल प्रतिष्ठायां (५२६)
१३२१. मूल रोहणे (१६०३)
१३२२. मूष स्तेये (६७६)
१३२३. मृक्ष संघाते (६६४)
१३२४. मृग अन्वेषणे (१९००)
१३२५. मृङ् प्राणत्यागे (१४००)
१३२६. मृजू शुद्धौ (१०६६)
१३२७. मृजू शौचालंकारयोः (१८४८)
१३२८. मृड सुखने (१३२७)
१३२९. मृड निमज्जन इत्येके (१३९१)
१३३०. मृड क्षोदे (१५१६)
१३३१. मृण हिंसायाम् (१३३१)
१३३२. मृद क्षोदे (१५१५)

१३३३. मृधु उन्दने (८७४)
१३३४. मृष तितिक्षायाम् (११६४)
१३३५. मृष तितिक्षायाम् (१८४६)
१३३६. मृषु सेचने, सहने च (७०७)
१३३७. मृश परामर्शने (१४२५)
१३३८. मेङ् प्रणिदाने (९६१)
१३३९. मेट्ट मेधाहिंसनयोः (८६६)
१३४०. मेडृ उन्मादे (२९३)
१३४१. मेधृ मेधाहिंसनयोः संगमे च (८७०)
१३४२. मेपृ गतौ (३७१)
१३४३. मेवृ सेवने (५०२)
१३४४. मोक्ष आसने (१७३०)
१३४५. म्ना अभ्यासे (९२६)
१३४६. म्रक्ष संघाते इत्येके (६६४)
१३४७. मृ हिंसायाम् (१४९२)
१३४८. म्रक्ष म्लेच्छने (१६६१)
१३४९. म्रद मर्दने (७६७)
१३५०. म्रुचु गत्यर्थाः (१९५)
१३५१. म्रुंचु गत्यर्थाः (१९३)
१३५२. म्लुचु गत्यर्थाः (१९६)
१३५३. म्लुंचु गत्यर्थाः (१९४)
१३५४. म्लेच्छ अव्यक्ते शब्दे (२०५)
१३५५. म्लेच्छ अव्यक्तायां वाचि (१६६२)
१३५६. म्लेट्ट उन्मादे (२९२)
१३५७. म्लेवृ सेवने (५०६)
१३५८. म्लै हर्षक्षये (९०४)०य
१३५९. यक्ष पूजायाम् (१६९२)
१३६०. यज देवपूजनसंतिकरणदानेषु (१००२)
१३६१. यत निकारोपस्कारयोः (१७३५)
१३६२. यती प्रयत्ने (३०)
१३६३. यभ मैथुने (९८०)
१३६४. यम उपरमे (९८४)
१३६५. यम परिवेषणे (१६२५)
१३६६. यमोऽपरिवेषणे अभोजने (८१९)
१३६७. यसु प्रयत्ने (१२१०)
१३६८. या प्रापणे (१०४९)
१३६९. यु मिश्रणेऽमिश्रणे च (१०३३)
१३७०. यु जुगुप्सायाम् (१७१०)
१३७१. ष्युगि वर्जने (१५६)
१३७२. युच्छ प्रमादे (२१४)
१३७३. युज समाधौ (११७७)
१३७४. युज संयमने (१८०६)
१३७५. युजिर योगे (१४४४)
१३७६. युतृ भासने (३१)
१३७७. युध संप्रहारे (११७३)
१३७८. युञ् बन्धने (१४७९)
१३७९. यूष हिंसायाम् (६७९)
१३८०. येषृ प्रयत्नेन इत्यप्येके (६१५)
१३८१. योटृ बन्धे (२९१)०र
१३८२. रक आस्वादने (१७३६)
१३८३. रक्ष पालने (६५८)
१३८४. रख गत्यर्थे (१३६)
१३८५. रखि गत्यर्थे (१३७)
१३८६. रगि गत्यर्थे (१४४)
१३८७. रगे शंकायाम् (७८५)
१३८८. रच प्रतियत्ने (१८६४)
१३८९. रंज रागे (११६७)
१३९०. रणि च शब्दे इति भोजः (८१६)
१३९१. रघि गत्यर्थे (१०८)
१३९२. रघि आप्यायने (१७९५)
१३९३. रंज रागे (९९९)
१३९४. रट परिभाषणे परिहासे, सनिन्दोपालंभे (२९७)
१३९५. रट परिभाषणे (३३४)
१३९६. रठ परिभाषणे इत्येके (३३४)
१३९७. रण शब्दे (४४५)
१३९८. रण गतौ (७९५)
१३९९. रद विलेखने (५३)
१४००. रध हिंसासंराध्योः (११९३)
१४०१. रप व्यक्तायां वाचि (४०१)
१४०२. रफ गतौ (४१३)
१४०३. रफि गतौ (४१४)
१४०४. रभ राभस्ये (९७४)
१४०५. रम क्रीणायां इति माधव (८५३)
१४०६. रमु क्रीणायां (८५३)
१४०७. रय गतौ (४८२)
१४०८. रवि शब्दे (३७६)
१४०९. रवि गत्यर्थे (५९६)
१४१०. रस शब्दे (७१३)
१४११. रस आस्वादन स्नेहनयोः (१९३१)
१४१२. रह त्यागे (७३१)
१४१३. रह त्यागे (१६२७)
१४१४. रह त्यागे (१८५८)
१४१५. रहि गतौ (७३२)
१४१६. रहि आप्यायने (१७९८)
१४१७. रा दाने (१०५७)
१४१८. राखृ शोषणालमर्थयोः (१२२)

१४१९. राजृ दीप्तौ(८२२)
१४२०. राध संसिद्धौ (१२६२)
१४२१. राधृ सामर्थ्ये (११२)
१४२२. राधोऽकर्मकाद्वृद्धावेव (११८०)
१४२३. रासृ शब्दे (६२६)
१४२४. रि हिंसायाम् (१२७५)
१४२५. रि गतौ (१४०४)
१४२६. रिगि गत्यर्थे, (१५३)
१४२७. रिख गत्यर्थे केचित् (१५५)
१४२८. रिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)
१४२९. रिच वियोजनसंपर्चनयोः (१८१६)
१४३०. रिचिर विरेचने (१४४१)
१४३१. रिफ कत्थनयुद्धनिन्दाहिंसादानेषु रिह इत्येके (१३०१)
१४३२. रिशू हिंसायाम् (१४२०)
१४३३. रिष हिंसार्थे (६६४)
१४३४. रिष हिंसायाम् (१२३१)
१४३५. रिवि गत्यर्थे (५६५)
१४३६. री गतिरेषणयोः (१५००)
१४३७. रीङ् श्रवणे (११३८) ०रु
१४३८. रु शब्दे (१०३४) गतिवृद्धिहिंसासु
१४३९. रुङ् गतिरेषणयोः (९५६)
१४४०. रुच दीप्तावभिप्रीतौ च (७४५)
१४४१. रुज हिंसायाम् (१८०४)
१४४२. रुजो भंगे (१४१६)
१४४३. रुट प्रतिघाते (७४७)
१४४४. रुट रोषे इत्येके (१६७०)
१४४५. रुट आप्यायर्ने (१७८३)
१४४६. रुटि स्तेये (३२७)
१४४७. रुठ उपघाते (३३६)
१४४८. रुठि स्तेये (३२८)
१४४९. रुडि स्तेये (३२८)
१४५०. रुदिर् अश्रुविमोचने (१०६७)
१४५१. रुधिर आवरणे (१४३८)
१४५२. रुप विमोहने (१२३६)
१४५३. रुप रोषे (१६७०)
१४५४. रुश हिंसायाम् (१४१९)
१४५५. रुशि आप्यायने (१७८४)
१४५६. रुष हिंसार्थे (६६३)
१४५७. रुष हिंसायाम् (१२३०)
१४५८. रुसि आप्यायने (१७९०)
१४५९. रुह बीजजन्मनि प्रादुर्भावे च (८५९)
१४६०. रूप रूपक्रियायाम् (१९३३)
१४६१. रूक्ष पारुष्ये (१९१०)
१४६२. रूष भूषायाम् (६७८)
१४६३. रेकृ शंकायाम् (८०)
१४६४. रेट्ट परिभाषणे (८६४)
१४६५. रेपृ गतौ (३७२)
१४६६. रेभृ शब्दे (३८५)
१४६७. रेवृ प्लवगतौ (५०७)
१४६८. रेषृ अव्यक्ते शब्दे (६२०)
१४६९. रै शब्दे (९०६)
१४७०. रोड़ उन्मादे
१४७१. रौड़ अनादरे (३५५)०ल
१४७२. लक्ष दर्शनांकनयोः (१५३८)
१४७३. लख गत्यर्थे (१३८)
१४७४. लखि गत्यर्थे (१३९)
१४७५. लग आस्वादने (१७३७)
१४७६. लगि गत्यर्थे (१४५)
१४७७. लगे संगे (७८६)
१४७८. लघि गत्यर्थे भोजननिवृत्तौ च (१०८)
१४७९. लघि आप्यायने (१७९६५)
१४८०. लधि भाषार्थे (१७६०)
१४८१. लघि शोषणे (१५६)
१४८२. लछ लक्षणे (२०६)
१४८३. लज भर्जने (२३८)
१४८४. लज अपवारणे इत्यन्ये (१५४३)
१४८५. लज प्रकाशने (१६२०)
१४८६. लजि भर्जने (२३९)
१४८७. लजि आप्यायने (१७८४)
१४८८. लट बाल्ये (२९८)
१४८९. लड विलासे (३५९)
१४९०. लड उपसेवायाम् (१५४०)
१४९१. लडिः जिह्वोन्मथने जिह्वया ज्ञापने (८१४)
१४९२. लडि आप्यायने (१८००)
१४९३. लप व्यक्तायां वाचि (४०२)
१४९४. लबि शब्दे अवस्रंसने च (३७०)
१४९५. लय गतौ (४८२)
१४९६. लर्ब गतौ (४१७)
१४९७. लल विलासे इत्येके (३५९)
१४९८. लल ईप्सायाम् (१६८७)
१४९९. लवि शब्दे (३७०)
१५००. लष कान्तौ (८८८)
१५०१. लष हिंसायाम् (१६१०)
१५०२. लस श्लेषणक्रीडनयोः (७१०)
१५०३. लस शिल्पयोगे (१७२८)

१५०४. ला आदाने (१०५८)
१५०५. लाखृ शोषणालमर्थयोः (१२३)
१५०६. लाछि लक्षणे (२०७)
१५०७. लाज भर्जने भर्त्सने च (२४०)
१५०८. लाजि भर्जने भर्त्सने च (२४१)
१५०९. लाधृ सामर्थ्ये (११३)
१५१०. लाभ प्रेरणे (१६३६)
१५११. लिख अक्षरविन्यासे (१३६५)
१५१२. लिख गत्यर्थे केचित् (१५५)
१५१३. लिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)
१५१४. लिगि गत्यर्थे (१५५)
१५१५. लिगि चित्रीकरणे (१७३६)
१५१६. लिजि भाषार्थे (१७५५)
१५१७. लिप उपदेहे (१४३३)
१५१८. लिश अल्पीभावे (११७६)
१५१९. लिश गतौ (१४२१)
१५२०. लिह आस्वादने (१०१६)
१५२१. ली श्लेषणे (१५०१)
१५२२. ली द्रवीकरणे (१८११)
१५२३. लीङ् श्लेषणे (११३६)
१५२४. लुजि भाषार्थे (१७५८)
१५२५. लुट संश्लेषणयोःइत्येके (१३८१)
१५२६. लुट भाषार्थे (१७५४)
१५२७. लुंठ स्तेये (१५६३)
१५२८. लुठ उपघाते (३३७)
१५२९. लुठ संश्लेषणयोः (१३८१)
१५३०. लुंठ स्तेये इति केचित् (१५६३)
१५३१. लुठि गतौ (३४३)
१५३२. लुड संश्लेषणयोः इत्यन्ये (१३८१)
१५३३. लुंच अपनयने (१८७)
१५३४. लुट विलोडने (३१४)
१५३५. रुट प्रतिघाते (७४८)
१५३६. लुट विलोडने (१२२२)
१५३७. लुटि स्तेये (३२८)
१५३८. लुठ प्रतिघाते (७४६)
१५३९. लुठि स्तेये (३२८)
१५४०. लुठि आलस्ये प्रतिघाते च (३४३)
१५४१. लुड विलोडने इत्येके (३१४)
१५४२. लुडि स्तेये (३२८)
१५४३. लुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४५)
१५४४. लुप विमोहने (१२३७)
१५४५. लुप्लृ छेदने (१४३१)
१५४६. लुबि अर्दने (४२७)
१५४७. लुबि अर्दने, अदर्शने (१६५६)
१५४८. लुभ गार्ध्ये गार्ध्यम् आकांक्षा (१२३८)
१५४९. लुभ विमोहने (१३०५)
१५५०. लूञ् छेदने (१४८३)
१५५१. लूष भूषायाम् (६७७)
१५५२. लेपृ गतौ (३७३)
१५५३. लोकृ दर्शने (७६)
१५५४. लोकृ भाषार्थे (१७७६)
१५५५. लोचृ दर्शने (१६४)
१५५६. लोचृ भाषार्थे (१७७७)
१५५७. लोडृ उन्मादे (३५७)
१५५८. लोष्ट संघाते (२५८)
१५५९. वकि कौटिल्ये (८८) ०व
१५६०. वकि गत्यर्थे (९५)
१५६१. वक्ष रोषे । संघात इत्येके (६६३)
१५६२. वख गत्यर्थे (१३०)
१५६३. वखि गत्यर्थे (१३१)
१५६४. वगि गत्यर्थे (१४७)
१५६५. वघि गत्याक्षेपे, गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे (११०)
१५६६. वच परिभाषणे (१०६३)
१५६७. वच परिभाषणे (१८४२)
१५६८. वज गतौ (२५२)
१५६९. वंचु गत्यर्था (१८९)
१५७०. वंचु प्रलम्भने (१७०३)
१५७१. वट वेष्टने (३००)
१५७२. वट परिभाषणे (७७६)
१५७३. वट ग्रन्थे (१८५७)
१५७४. वट विभाजने (१९१६)
१५७५. वटि विभाजने (१५८६)
१५७६. वठ स्थौल्ये (३३१)
१५७७. वठि एकचर्यायाम् एकचर्या सहायं बिना चरणं (२६२)
१५७८. वडि विभाजने (२७०)
१५७९. वण शब्दे (४४६)
१५८०. व्यक्तायां वाचि (१००६)
१५८१. वद संदेशवचने (१८४१)
१५८२. वदि अभिवादन स्तुत्योः (११)
१५८३. वन शब्दे (४६२)
१५८४. वन च हिंसार्थे (८०३)
१५८५. वन संभक्तौ (४६३)
१५८६. वनु याचने (१४७०)
१५८७. वभ्र गत्यर्था (५५७)

१५८८. वय गतौ (४७५)
१५८९. वर ईप्सायाम् (१८५२)
१५९०. वर्च दीप्तौ (१६२)
१५९१. वर्ण प्रेरणे (१५५१)
१५९२. वर्ण वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु (१९३८)
१५९३. वर्ध छेदनपूरणयोः (१६५४)
१५९४. वर्ष स्नेहने (६१३)
१५९५. वर्ह परिभाषणहिंसाच्छादनेषु (६४०)
१५९६. वल संवरणे संचरणे च (४९१)
१५९७. वलि च शब्दे इति भोजः (८१६)
१५९८. वल्क परिभाषणे (१५७१)
१५९९. वल्ग गत्यर्थे (१४३)
१६००. वल्ल संवरणे संचरणे च (४९१)
१६०१. वल्ल अव्यक्ते शब्दे (४९८)
१६०२. वल्ह परिभाषणहिंसाच्छादनेषु (६४१)
१६०३. वश कान्तौ (१०८०)
१६०४. वष हिंसार्थे (६९१)
१६०५. वस निवासे (१००५)
१६०६. वस निवासे (१९४२)
१६०७. वस आच्छादने (१०२३)
१६०८. वस स्नेहच्छेदापहरणेषु (१७४४)
१६०९. वसु स्तंभे (१२१४)
१६१०. वस्क गत्यर्थे (१०१)
१६११. वहि वृद्धौ (६३३)
१६१२. वह प्रापणे (१००४)
१६१३. वा गतिबन्धनयोः (१०५०)
१६१४. वाक्षि कांक्षायाम् (६६८)
१६१५. वाछि इच्छायाम् (२०८)
१६१६. वात सुखसेवनयोः, गति-सुखसेवनेष्वित्येके (१८८२)
१६१७. वावृतु वरणे इति केचित् (११६०)
१६१८. वाशृ शब्दे (११६३)
१६१९. वास उपसेवायाम् (१८८४)
१६२०. वाहृ प्रयत्ने (६४५)
१६२१. विच्छ गतौ (१४२३)
१६२२. विच्छ भाषार्थे (१७७३)
१६२३. विचिर पृथग्भावे (१४४२)
१६२४. विजिर् पृथग्भावे (१०९४)
१६२५. विट शब्दे (३१६)
१६२६. विद ज्ञाने (१०६४)
१६२७. विद विचारणे (१४५०)
१६२८. विद सत्तायाम् (११७१)
१६२९. विद चेतनाख्याननिवासेषु (१७०८)
१६३०. विद्लृ लाभ (१४३२)
१६३१. विथृ याचने (३३)
१६३२. विध विधाने (१३२५)
१६३३. विल भेदने (१३५९)
१६३४. विल भेदने (१६०६)
१६३५. विल क्षेपे (१६०५)
१६३६. विश प्रवेशने (१४२४)
१६३७. विष विप्रयोगे (१५२६)
१६३८. विषु सेचने (६९८)
१६३९. विष्क हिंसायाम् (१६८५)
१६४०. विष्क दर्शने (१९४०)
१६४१. विष्लृ व्याप्तौ (१०९५)
१६४२. वी गतिप्राप्तिप्रजनकान्त्ये (१०४८)
१६४३. वीर विक्रान्तौ (१६०३)
१६४४. वुस्त आदरानादरयोः (१५९१)
१६४५. वृक आदाने (९२)
१६४६. वृक्ष वरणे (६०४)
१६४७. वृङ् सम्भक्तौ (१५०६)
१६४८. वृजि वर्जने इत्येके (१०२६)
१६४९. वृजी वर्जने (१०२६)
१६५०. वृजी वर्जने (१४६१)
१६५१. वृजी वर्जने (१८१२)
१६५२. वृञ् वरणे (१२५४)
१६५३. वृञ् वरणे (१४८६)
१६५४. वृञ् आवरणे (१८१४)
१६५५. वृण प्रीणने (१३३०)
१६५६. वृतु वर्तने (७५८)
१६५७. वृतु वरणे (११६०)
१६५८. वृतु भाषार्थे (१७८१)
१६५९. वृधु वृद्धौ (७५९)
१६६०. वृधु भाषार्थे (१७८२)
१६६१. वृशु वरणे (१२२६)
१६६२. वृष शक्तिबन्धने (१७००)
१६६३. वृषु सेचने हिंसासंक्लेशनयोश्च(७०६)
१६६४. वृह उद्यमने (१३४७) बृह इत्यन्ये
१६६५. वृ वरणे (१४९०)
१६६६. वेञ् तन्तसन्ताने (१००६)
१६६७. वेणृ तिज्ञानचिन्तानिशामनवादित्र-ग्रहणेषु । नान्तोऽप्ययम् ।
१६६८. वेथृ याचने (३४)
१६६९. वेल कालोपदेशे (१८८०)
१६७०. वेलृ चलने (५३५)

१६७१. वेल्ल चलने (५४०)
१६७२. वेवीङ् वेतिना तुल्ये (१०७७)
१६७३. वेष्ट वेष्टने (२५५)
१६७४. व्यच वाजीकरणे (१२६३)
१६७५. व्यथ भयसंचलनयोः (७६४)
१६७६. व्यध ताडने (११८१)
१६७७. व्यप क्षेपे (१६३८)
१६७८. व्यय गतौ (८८१)
१६७९. व्यय क्षेपे इत्येके (१६३८)
१६८०. व्यय वित्तसमुत्सर्गे (१६३२)
१६८१. व्युष दाहे (१११४)
१६८२. व्युष विभागे (१२१५)
१६८३. व्येञ् संवरणे (१००७)
१६८४. व्रज गतौ (२५३)
१६८५. व्रज मार्ग संस्कारगत्योः (१६१७)
१६८६. व्रण गात्रविचूर्णने (१६३७)
१६८७. व्रीङ् वृणोत्यर्थे (११४०)
१६८८. व्रीड चोदने लज्जायाम् च (११२६)
१६८९. व्रण शब्दे (४५१)
१६९०. व्रुड सम्बरणे (१३९३)
१६९१. व्ली वरणे (१५०२) ०१
१६९२. शक विभाषितो मर्षणे च (११८७)
१६९३. शकि शंकायाम् (८६)
१६९४. शक्लृ शक्तौ (१२६१)
१६९५. शच व्यक्तायां वाचि (१६५)
१६९६. शट रुजाविशरण्गत्यवसादनेषु (२९६)
१६९७. शठ कैतवे च (३४०)
१६९८. शठ असंस्कारगत्योः (१५६४)
१६९९. शठ श्लाघायाम् (१६९१)
१७००. शठ सम्यगवभाषणे (१८५४)
१७०१. शडि ऊर्जायां संघाते (२७६)
१७०२. शण दाने, गतावित्यन्ये (७९७)
१७०३. शद्लृ शातने (८५५)
१७०४. शद्लृ शातने (१४२८)
१७०५. शप आक्रोशे (१०००)
१७०६. शप आक्रोशे (११६८)
१७०७. शब्द उपसर्गादाविष्कारे (१७१४)
१७०८. शम आलोचने (१६९६)
१७०९. शमु उपशमे (१२०१)
१७१०. शमो दर्शने (८१८
१७११. शंब संबन्धने (१५५५)
१७१२. शर्द गतौ (४२३)
१७१३. शर्व हिंसायाम् (५८५)
१७१४. शल चलनसंवरणयोः (४९०)
१७१५. शल गतौ (८४३)
१७१६. शल्भ कत्थने (३९०)
१७१७. शव गतौ (७२५)
१७१८. शश प्लुतगतौ उल्लुत्य गमनें (७२६)
१७१९. शष हिंसार्थे (६९०)
१७२०. शंसु स्तुतौ, दुर्गतावििति दुर्गः (७२८)
१७२१. शसु हिंसायाम् (७२७)
१७२२. शान तेजने (९९५)
१७२३. शाखृ व्याप्तौ (१२६)
१७२४. शाडृ श्लाघायाम् (२८६)
१७२५. शासु अनुशिष्टौ (१०७५)
१७२६. शिक्ष विद्योपादाने (६०५)
१७२७. शिख गत्यर्थे केचित् (१५५)
१७२८. शिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)
१७२९. शिघि आघ्राणे (१६१)
१७३०. शिजि अव्यक्तेशब्दे (१०२७)
१७३१. शिञ् निशाने तीक्ष्णीकरणे (१२४६)
१७३२. शिट अनादरे (३०३)
१७३३. शिल उच्छे (१३६२)
१७३४. शिष हिंसार्थे (६८७)
१७३५. शिष असर्वोपयोगे (१८१६)
१७३६. शिष्लृ विशेषणे (१४५१)
१७३७. शीक आमर्षणे (१८२६)
१७३८. शीकृ सेचने (७५)
१७३९. शीङ् स्वप्ने (१०३२)
१७४०. शीभृ कत्थने (३८३)
१७४१. शील समाधौ (५२३)
१७४२. शील उपधारणे (१८७८)
१७४३. शुच शोके (१८३)
१७४४. शुचिर पूतीभावे (११६५)
१७४५. शुच्य अभिषवे (५१३)
१७४६. शुठ गतिप्रतिघाते (३४१)
१७४७. शुठ आलस्ये (१६४४)
१७४८. शुठि शोषणे (३४४)
१७४९. शुठि शोषणे (१६४५)
१७५०. शुध शौचे (११९१)
१७५१. शुन गतौ (१३३६)
१७५२. शुन्ध शुद्धौ (७४)
१७५३. शुन्ध शौचकर्मणि (१८३२)
१७५४. शुभ भाषणे भासन इत्येके, हिंसायां इत्यन्ये (४३२)
१७५५. शुभ शोभाथे (१३२१)

१७५६.	शुंभ शोभाथे (१३२२)
१७५७.	शुभ दीप्तौ (७५०)
१७५८.	शुंभ भाषणे, भासन इत्येके, हिंसायां इत्यन्ये (४३३)
१७५९.	शुल्क अतिस्पर्शने अतिसर्जन इत्येके (१६१८)
१७६०.	शुल्ब माने (१६११)
१७६१.	शुष शोषणे (११८३)
१७६२.	शृधु शब्दकुत्सायाम् (७६०)
१७६३.	शॄ हिंसायाम् (१४८८)
१७६४.	शृधु उन्दने (८७३)
१७६५.	शृधु प्रहसने (१७३४)
१७६६.	शूर विक्रान्तौ (१६०३)
१७६७.	शूरी हिंसास्तम्भनयो (११५७)
१७६८.	शूर्प माने (१६१२)
१७६९.	शूल रुजायां संघोषे च (५२०)
१७७०.	शूष प्रसवे (६७८)
१७७१.	शेलृ गतौ (५४३)
१७७२.	शेवृ सेवने (५०६)
१७७३.	शै पाके (९१८)
१७७४.	शो तनूकरणे (११४५)
१७७५.	शोणृ वर्णगत्योः (४५५)
१७७६.	शौटृ गर्वे (२९०)
१७७७.	श्च्युतिर आसेचने (४०)
१७७८.	श्च्युतिर (श्चुतिर) क्षरणे (४१)
१७७९.	श्नथ हिंसार्थे (७९६)
१७८०.	श्मील निमेषणे (५१८)
१७८१.	श्यैङ् गतौ (९६३)
१७८२.	श्रकि गतौ (८४)
१७८३.	श्रगि गत्यर्थे (१५१)
१७८४.	श्रण दाने (७९८)
१७८५.	श्रण दाने (१५७८)
१७८६.	श्रथ प्रयत्ने प्रस्थान इत्येके (१५४६)
१७८७.	श्रथ मोक्षणे, हिंसायाम् इत्यन्ये (१८२३)
१७८८.	श्रथ हिंसार्थे (७९६)
१७८९.	श्रथि शैथिल्ये (३५)
१७९०.	श्रन्थ विमोचनप्रतिहर्षयोः (१५१०)
१७९१.	श्रन्थ सन्दर्भे (१५११)
१७९२.	श्रन्थ सन्दर्भे (१८३७)
१७९३.	श्रमु तपसि खेदे च
१७९४.	श्रंभु प्रमादे (३९३)
१७९५.	श्रा पाके । मारण तोषण निषामनेषु (८१०)
१७९६.	श्रा पाके (१०५३)
१७९७.	श्रिञ् सेवायाम् (८९७)
१७९८.	श्रिषु दाहे (७०१)
१७९९.	श्रीञ् पाके (१४७५)
१८००.	श्रु श्रवणे (९४२)
१८०१.	श्रै पाके (९१९)
१८०२.	श्रोणृ संघाते (४५६)
१८०३.	श्लकि गतौ (८५)
१८०४.	श्लगि गत्यर्थे (१५२)
१८०५.	श्लाखृ व्याप्तौ (२२६)
१८०६.	श्लाघृ कत्थने (११५)
१८०७.	श्लथ (७९६)
१८०८.	श्लिष श्लेषणे (१५७४)
१८०९.	श्लिषु दाहे (७०२)
१८१०.	श्लोकृ संघाते (७७)
१८११.	श्लोणृ संघाते (४५७)
१८१२.	श्वकि गत्यर्थे (९६)
१८१३.	श्वच गतौ (१६६)
१८१४.	श्वचि गतौ (१६६)
१८१५.	श्वठ आशुगमने (५४६)
१८१६.	श्वठ असंस्कारगत्योः (१५६५)
१८१७.	श्वठ सम्यगवभाषणे (१८५५)
१८१८.	श्वभ्र गत्याम् (१६२३)
१८१९.	श्वर्त गत्याम् (१६२२)
१८२०.	श्वल्क परिभाषणे (१५७०)
१८२१.	आशुगमने (५५०)
१८२२.	श्वस प्राणने (१०६९)
१८२३.	श्विता वर्णे (७४२)
१८२४.	श्विदि श्वैत्ये श्वैत्यं श्वेतस्य भावः(१०)०□
१८२५.	षगे संवरणे (७८७)
१८२६.	षघ हिंसायाम् (१२६८)
१८२७.	षच समवाये (९९७)
१८२८.	षंज संगे (९८७)
१८२९.	षट अवयवे (३११)
१८३०.	षट्ट हिंसायाम् (१६३३)
१८३१.	षण संभक्तौ (४६३)
१८३२.	षणु दाने (१४६४)
१८३३.	षद्लृ विशरणगत्यवसादनेषु (८५४०)
१८३४.	षद्लृ विशरणगत्यवसादनेषु (१४२७)
१८३५.	षप समवाये सम्बन्धे (४००)
१८३६.	षम अवैकल्ये (८२९)
१८३७.	षंब संबन्धने (१५५५)
१८३८.	षर्क्ष आदरे इति केचित (६६६)

१८३९. षर्ज अर्जने (२२५)
१८४०. षर्ब गतौ (४२४)
१८४१. षर्व हिंसायाम् (५८६)
१८४२. षवि सेचने इत्येके (५९०)
१८४३. षल गतौ (५४७)
१८४४. षस् स्वप्ने (१०७८)
१८४५. षस्ज गतौ (२०२)
१८४६. षस्जि गतौ (२०१) आत्मने पद्यपि
१८४७. षस्ति स्वप्ने (१०७९)
१८४८. षह मर्षणे (८५२)
१८४९. षह मर्षणे (१८०६)
१८५०. षह चक्यर्थे तृप्त्यर्थे (११२८)
१८५१. षान्त्व सामप्रयोगे (१५६९)
१८५२. षिञ् बन्धने (१२४८)
१८५३. षिञ् बन्धने (१४७७)
१८५४. षिध गत्याम् (४७)
१८५५. षिधु संराद्धौ (११९२)
१८५६. षिधू शास्त्रे मांगल्ये च (४८)
१८५७. षिभु हिंसार्थे (४३१)
१८५८. षिंभु हिंसार्थे (४३१)
१८५९. षिल उच्छें (१३६३)
१८६०. षिवु तन्तुसन्ताने (११०८)
१८६१. षु प्रसवैश्वर्ययोः (१०४१)
१८६२. षु प्रेरणे (१४०८)
१८६३. षुञ् अभिषवे (१२४७)
१८६४. षुट्ट अनादरे (१५६२)
१८६५. षुह चक्यर्थे तृप्त्यर्थे (११२९)
१८६६. षूङ् प्राणिगर्भविमोचने (१०३१)
१८६७. षूङ् प्राणिप्रसवे (११३२)
१८६८. षूद क्षरणे (२५)
१८६९. षूद क्षरणे (१७१७)
१८७०. षृक प्रतिघाते (७८२)
१८७१. षृभु हिंसार्थे (४३०)
१८७२. षृंभु हिंसार्थे (४३१)
१८७३. षेलृ गतौ इत्येक (५४३)
१८७४. षेवृ द (५०१)
१८७५. षै क्षये (९१५)
१८७६. षो अन्तकर्मणि (११४७)
१८७७. ष्टम अवैकल्ये (८३०)
१८७८. ष्टल स्थाने (८३६)
१८७९. ष्ट्रक्ष गतौ (६६१)
१८८०. ष्टगे संवरणे (७९०)
१८८१. ष्टन शब्दे (४६१)
१८८२. ष्टिबु निरसने (५६०)
१८८३. ष्टभि प्रतिबन्धे (३८६)
१८८४. ष्टिपृ क्षरणार्थे (३६४)
१८८५. ष्टिध आस्कन्दने (१२६५)
१८८६. ष्टिम आर्द्रीभावे (११२४)
१८८७. ष्टिवु निरसने (१११०)
१८८८. ष्टीम आर्द्रीभावे (११२५)
१८८९. ष्टुच प्रसादे (१७५)
१८९०. ष्टुञ् स्तुतौ (१०४३)
१८९१. ष्टुप समुच्छ्राये (१२३७)
१८९२. ष्टुप समुच्छ्राये (१९७२)
१८९३. ष्टुभु स्तंभे (३९४)
१८९४. ष्टृक्ष गतौ (६६१)
१८९५. ष्टेपृ क्षरणार्थे (३६५)
१८९६. ष्टै वेष्टने (९२२)
१८९७. ष्ट्यै शब्दसंघातयोः (९११)
१८९८. ष्ठा गतिनिवृत्तौ (९२८)
१८९९. ष्णसु निरसने (१११२)
१९००. ष्णा शौचे (१०५२)
१९०१. ष्णिह प्रीतौ (१२००)
१९०२. ष्णिह स्नेहने (१५७२)
१९०३. ष्णु प्रस्रवणे (१०३८)
१९०४. ष्णुसु अदने (११११)
१९०५. ष्णुह उद्गिरणे (११९९)
१९०६. ष्णै वेष्टने, शोभायां च (९२३)
१९०७. ष्यैङ् वृद्धौ (९६४)
१९०८. ष्वंच परिष्वंगे (९७६)
१९०९. ष्वद आस्वादने(१८)
१९१०. ष्वद आस्वादने (१८०५)
१९११. ष्वष्क गत्यर्थे (१००)
१९१२. ष्विदा गात्रप्रक्षरणे (११८८)०स
१९१३. संकेत आमन्त्रणे (१८९१)
१९१४. संग्राम युद्धे (१९२२)
१९१५. सत्र सन्तानक्रियायाम् (१९०६)
१९१६. समाज प्रीतिदर्शनयोः,
प्रीतिसेवनयोरित्येके (१८८७)
१९१७. समी परिणामे इत्येके (१२२१)
१९१८. साध संसिद्धौ (१२६३)
१९१९. सार दौर्बल्ये (१८६८)
१९२०. सांब संबन्धने इत्येके(१५५५)
१९२१. साम सान्त्वप्रयोगे (१८७९)
१९२२. सुख तत्क्रियायाम् (१९२९)
१९२३. सूच पैशुन्ये (१८७३)

१६२४. सूत्र वेष्ठने (१६०८)
१६२५. सूर्क्ष आदरे (६६६)
१६२६. सूर्क्ष्य ईर्ष्यार्थाः (५०६)
१६२७. सृ गतौ (६३५)
१६२८. सृ गतौ (१०६६)
१६२९. सृज विसर्गे (११७८)
१६३०. सृप्लृ गतौ (६८३)
१६३१. सेकृ गतौ (८१) स्कुदि आप्रवणे आप्लावनं उत्प्लवः उद्धरणं च (६)
१६३२. स्कन्दिर् गतिशोषणयोः (६७६)
१६३३. स्कभि प्रतिबन्धे (३८७)
१६३४. स्कुञ् आप्रवणे (१४७८)
१६३५. स्खद स्खदने विद्रावणे (७६८)
१६३६. स्खदिर् अवपरिभ्यां च (८२०)
१६३७. स्खल संचलने (५४५)
१६३८. स्खलि च शब्दे इति भोजः (८१६)
१६३९. स्तन देवशब्दे (१८५६)
१६४०. स्तृञ् आच्छादने (१२५२)
१६४१. स्तृञ् आच्छादने (१४८४)
१६४२. स्तृहु हिंसार्थे (१३४६)
१६४३. स्तेन चौर्ये (१८६७)
१६४४. स्तोम श्लाघायाम् (१६२३)
१६४५. स्त्यै शब्दसंघातयोः (६१०)
१६४६. स्थुड सम्बरणे (१३८८)
१६४७. स्थूल परिबृंहणे (१६०४)
१६४८. स्पदि किंचिच्चलने (१४)
१६४९. स्पर्ध संघर्षे (३)
१६५०. स्पश बाधनस्पर्शनयोः (८८७)
१६५१. स्पश ग्रहणसंश्लेषणयोः (१६८०)
१६५२. स्पृ प्रितिपालनयोः प्रीतिचलनयोः इत्यन्ये । चलने जीवनं इति स्वामी (१२५६)
१६५३. स्पृश संस्पर्शने (१४२२)
१६५४. स्पृह ईप्सायाम् (१८७१)
१६५५. स्फर संचलने इत्यन्ये(१३६०)
१६५६. स्फल संचलने इत्येके (१३६०)
१६५७. स्फायी वृद्धौ (४८७)
१६५८. स्फिट्ट हिंसायाम् (१६३४)
१६५९. स्फुट विकसने अवयवविभागे (२६०)
१६६०. स्फुट विकसने अवयवविभागे (१३७३)
१६६१. स्फुट भेदने (१७२२)
१६६२. स्फुटि विशरणे इति केचित् (३२६)
१६६३. स्फुटि परिहासे अपि (१५३७)
१६६४. स्फुटिर विशरणे (३२६)
१६६५. स्फुड सम्बरणे (१३६१)
१६६६. स्फुडि विकसने (२७७)
१६६७. स्फुडि परिहासे (१५३७)
१६६८. स्फुर संचलने (१३८६)
१६६९. स्फुर्छा विस्तृतौ (२१३))
१६७०. स्फुल संचलने (१३६०)
१६७१. स्मय वितर्के (१६६३)
१६७२. स्मिङ् ईषद्धसने (६४८)
१६७३. स्मिङ् अनादरे इत्येके (१५७३)
१६७४. स्मिट अनादरे (१५७३)
१६७५. स्मील निमेषणे (५१६)
१६७६. स्मृ आध्याने (८०७)
१६७७. स्मृ चिन्तायाम् (६३३)
१६७८. स्यन्दू प्रस्रवणे (७६१)
१६७९. स्युमु शब्दे (८२६)
१६८०. स्रंभु विश्वासे (७५७)
१६८१. स्रंसु अवस्रंसने अधःपतने (७५४)
१६८२. स्रकि गतौ (८४)
१६८३. स्रिवु गतिशोषणयोः (११०६)
१६८४. स्रु गतौ (६४०)
१६८५. सृज विसर्गे (१४१४)
१६८६. स्रेकृ गतौ (८२)
१६८७. स्रै पाके इति केषुचित्पाठः (६१६)
१६८८. स्वन शब्दे (८२७)
१६८९. स्वर्द आस्वादने(१६)
१६९०. स्वन अवतंसने (८१७)
१६९१. स्वर आक्षेपे (१८६३)
१६९२. स्वृ शब्दोपतापयोः उपतापः रोगः (६३२)
१६९३. हट दीप्तो (३१२) ०ह
१६९४. हठ प्लुतिशठत्वयोः, बलात्कार इत्यन्ये (३३५)
१६९५. हद पुरीषोत्सर्गे (६७७)
१६९६. हम्म गतौ (४६७)
१६९७. हय गतौ (५१२)
१६९८. हर्य गतिकान्त्योः (५१४)
१६९९. हल विलेखने आकर्षणे (८३७)
२०००. हसे हसने (७२१)
२००१. हि गतौ वृद्धौ च (१२५७)
२००२. हिक्क अव्यक्ते शब्दे (८६१)
२००३. हिट आक्रोशे (३१७)
२००४. हिडि गत्यानादरयोः (२६८)
२००५. हिवि प्रीणनार्थे (५६१)
२००६. हिल भावकरणे (१३६१)

२००७.	हिसि हिंसायाम् (१४५६)
२००८.	हिसि हिंसायाम् (१८२६)
२००९.	हुडि संघाते (२६६)
२०१०.	हु दानादनयोः (१०८३)
२०११.	हुडि वरणे, हरण इत्येक (२७७)
२०१२.	हुडृ गतौ (३५२)
२०१३.	हुर्छा कौटिल्ये (२११)
२०१४.	हुल गतौ, हिंसायां संवरणे च (८४४)
२०१५.	हूडृ गतौ (३५२)
२०१६.	हृ प्रसह्यकरणे (१०९७)
२०१७.	हृञ् हरणे (८९६)
२०१८.	हृष तुष्टौ (१२२६)
२०१९.	हृषु अलीके (७०६)
२०२०.	हृस शब्दे (७११)
२०२१.	हेठ विवाधायाम् (२६६)
२०२२.	हेठ भूतपादुर्भावे (१५३२)
२०२३.	हेड वेष्टने (?)
२०२४.	हेडृ अनादरे (२८४)
२०२५.	होडृ अनादरे (२८४)
२०२६.	होडृ गतौ (३५४)
२०२७.	ह्नुङ् अपनयने (१०८२)
२०२८.	ह्मल चलने (८०६)
२०२९.	ह्राद अव्यक्ते शब्दे (२६)
२०३०.	ह्री लज्जायाम् (१०८५)
२०३१.	ह्रीछ लज्जायाम् (२१०)
२०३२.	ह्रेषृ अव्यक्ते शब्दे (६२२)
२०३३.	ह्लगे संवरणे (७८७)
२०३४.	ह्लप व्यक्तायां वाचि (१६५८)
२०३५.	ह्लस शब्दे (७१२)
२०३६.	ह्लादी सुखे च(२६)
२०३७.	ह्वगे संवरणे (७८७)
२०३८.	ह्वल चलने (८०५)
२०३९.	ह्वप व्यक्तायां वाचि इत्यन्ये(१६५८)
२०४०.	ह्वृ कौटिल्ये (६३१)
२०४१.	ह्वेञ स्पर्धायाम् शब्दे च (१००८)
२०४२.	ह्वेषृ अव्यक्ते शब्दे (६२१)

नन्दी, क्षीर स्वामी, दुर्ग, मैत्रेय, भोजृ, चन्द्र, कौशिक,